राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 195 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, बुधवार, 26 जनवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

128 हस्तियों को पद्म पुरस्कार

जनरल रावत और कल्याण सिंह को मरणोपरांत पद्म विभूषण, पिचाई-नडेला और वैक्सीन निर्माताओं को पद्मभूषण

नई दिल्ली/ एजेंसी ।

केंद्र सरकार ने मंगलवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों का एलान कर दिया। इस साल पद्म विभूषण के लिए कुल चार नाम चुने गए हैं, जबकि 17 हस्तियों के नाम पद्म भूषण के लिए चुने गए हैं। इसके अलावा पद्मश्री सम्मान के लिए 107 नामों का चयन हुआ है।

पद्म विभूषण सम्मान पाने वालों में कौन?

जिन लोगों को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है, उनमें तीन लोगों को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया है। पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत (सिविल सेवा), भाजपा के पूर्व नेता कल्याण सिंह (सार्वजनिक मामले) और गीताप्रेस गोरखपुर के अध्यक्ष रहे राधेश्याम खेमका (साहित्य और शिक्षा) को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया। इसके अलावा भारतीय शास्त्रीय संगीतज्ञ डॉक्टर प्रभा अत्रे को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है।

किन्हें मिला पद्म भूषण सम्मान?

इसके अलावा पद्म भूषण के लिए जिन 17 नामों का एलान हुआ है, उनमें दो को मरणोपरांत यह पुरस्कार दिया जाएगा। नेताओं में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेब भट्टाचार्य शामिल हैं। कोरोनावायरस महामारी के दौर से देश को निकालने में अहम भूमिका निभाने वाले वैक्सीन निर्माताओं को भी सरकार ने पद्म भूषण सम्मान देने का फैसला किया है। देश की पहली स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन की निर्माता कंपनी भारत बायोटेक के संस्थापक कृष्णा एल्ला और उनकी पत्नी सुचित्रा एल्ला को इस पुरस्कार के लिए चुना गया।

इसके अलावा देशभर को कोविशील्ड वैक्सीन के जरिए कोरोना से बचाने की जिम्मेदारी निभाने वाले सीरम इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक सायरस पूनावाला को भी पद्म वभूषण सम्मान दिया जाएगा।

किन-किन को पद्मश्री सम्मान?

पद्मश्री सम्मान पाने वालों में देश के चिर परिचित नाम शामिल हैं, उनमें ओलंपिक गेम्स के गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा, ओलंपिक में मेडल जीतने वाले सुमित अंतिल, भारत की फील्ड हॉकी प्लेयर वंदना कटारिया, पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वालीं अवनी लेखरा, लद्दाख के सांसद जामयांग शेरिंग नांग्याल, गायक सोनू निगम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने अधिक मतदान, ‘एक राष्ट्र-एक चुनाव’ पर चर्चा की जरूरत बताई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में और विशेष रूप से शिक्षित और समृद्ध समझे जाने वाले शहरी क्षेत्रों में कम मतदान प्रतिशत पर चिंता जताते हुए मंगलवार को कहा कि भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में यह स्थिति बदलनी चाहिए।

देशभर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में मोदी ने ‘एक राष्ट्र, एक चुनाव’ और ‘एक राष्ट्र, एक मतदाता सूची’ के विषय को भी उठाया और कहा कि बार-बार चुनाव होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

उन्होंने मंगलवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर कार्यकर्ताओं से यह संवाद किया।

देश में 1951-52 में पहले लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत 45 प्रतिशत से 2019 में बढ़कर 67 प्रतिशत होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला मतदाताओं की भागीदारी में बढ़ोतरी अच्छी बात है, लेकिन आम नागरिकों से लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों को कम मतदान पर विचार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देखा गया है कि शिक्षित और समृद्ध समझे जाने वाले शहरी क्षेत्रों में कम मतदान होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों के कई लोग सोशल मीडिया पर चुनावों पर चर्चा तो करते हैं लेकिन मतदान करने नहीं जाते।

मोदी ने भाजपा के ‘पन्ना प्रमुखों’ और अन्य कार्यकर्ताओं से हर चुनाव में 75 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने को कहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान किसी सुदृढ़ लोकतंत्र में सबसे पवित्र दान है। उन्होंने मतदान बढ़ाने के लिए अनेक पहल करने के लिए निर्वाचन आयोग की भी प्रशंसा की।

आधार संख्या और मतदाता पहचान पत्र संख्या को लिंक करने के प्रावधान वाले हाल में पारित एक विधेयक का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इससे पारदर्शिता आएगी।

भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आरपीएन सिंह मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। आज ही कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले सिंह ने कहा कि भाजपा में शामिल होना उनके लिए एक नई शुरुआत है।

उन्होंने कहा, ‘‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर हूं।’’

वह अब तक कांग्रेस में राष्ट्रीय प्रवक्ता और झारखंड के प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे थे।

सिंह ने भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री व उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इससे पहले, सिंह ने भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जारी प्रचार अभियान के बीच आरपीएन सिंह का भाजपा में शामिल होना कांग्रेस को बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है।

अगले लोकसभा चुनाव में कम से कम 75 प्रतिशत मतदान होना चाहिएः नायडू

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में कम से कम 75 प्रतिशत मतदान होना चाहिए।

देश के 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संदेश में नायडू ने कहा, ‘‘एक देश के रूप में हमें संघीय व्यवस्था के तीनों स्तरों के चुनाव एक साथ कराने के बारे में विचार करना चाहिए और सहमति पर पहुंचना चाहिए तथा लोगों के चौतरफा विकास पर ध्यान केंद्रित कर बेहतर शासन की दिशा में बढ़ना चाहिये।’’

नायडू समारोह के मुख्य अतिथि थे, लेकिन शामिल नहीं हो सके, क्योंकि वह कोविड-19 से ग्रस्त होने के बाद हैदराबाद में अपने घर पर पृथकवास में हैं।

उन्होंने अपने संदेश में कहा, ‘‘हमारी आजादी के 75वें वर्ष में हमें संकल्प लेना चाहिए कि कोई मतदाता पीछे नहीं रह जाए और आगामी लोकसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत कम से कम 75 प्रतिशत करने का उद्देश्य होना चाहिए। सभी को मानना होगा कि मतदान केवल

अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।’’

समारोह में उप राष्ट्रपति के संदेश को हिंदी और अंग्रेजी में पढ़ा गया।

उन्होंने कहा कि देश 1952 के पहले आम चुनाव से बहुत आगे निकल आया है, जब केवल 44.87 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया था। नायडू ने कहा कि 2019 में पिछले लोकसभा चुनाव में 67.40 प्रतिशत या दो-तिहाई से अधिक पात्र मतदाताओं ने वोट डाला।

नायडू ने कहा, ‘‘ आज यह खुशी की बात है कि हम दुनिया के उच्च मतदान वाले देशों में शामिल हैं और 70 साल में हमारे यहां मतदान प्रतिशत में 50 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।’’

निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को हुई थी। पिछले 12 साल से देश में इस दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कोविड प्रोटोकॉल के तहत हुए और इनमें 74 से 84 प्रतिशत के बीच उच्च मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया।

अफ्रीका एवं कांगो के विद्यार्थियों को समय से डिग्रियां जारी की जाए : एआईसीटीई

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों के कुलपतियों एवं प्राचार्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि अफ्रीका और कांगो के विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन में परेशानियों से बचाने के लिए डिग्रियां और डिप्लोमा समय से जारी किये जाएं।

तकनीकी शिक्षा विनियामक का यह निर्देश तब आया है जब शिक्षा मंत्रालय ने इन विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद अपनी डिग्रियां हासिल करने में आ रही मुश्किलों का मुद्दा उठाया।

न्यायालय का अतार्किक मुफ्त सेवाओं के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर केंद्र, निर्वाचन आयोग को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव से पहले सार्वजनिक कोष से ‘‘अतार्किक मुफ्त सेवाएं एवं उपहार’’ वितरित करने या इसका वादा करने वाले राजनीतिक दलों का चुनाव चिह्न जब्त करने या उनका पंजीकरण रद्द करने का दिशा-निर्देश देने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग से मंगलवार को जवाब मांगा।

न्यायालय ने साथ ही कहा कि यह एक ‘‘गंभीर मामला’’ है क्योंकि कभी-कभी ‘‘निःशुल्क सेवाएं नियमित बजट से भी अधिक दी जाती हैं।’’

प्रधान न्यायाधीश वी एन रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किए। इन्हें चार सप्ताह में नोटिस का जवाब देना है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव से पहले दायर की गई याचिका में कहा गया है कि मतदाताओं से अनुचित राजनीतिक लाभ लेने के लिए इस प्रकार के लोकलुभावन कदम उठाने पर पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए, क्योंकि यह संविधान का उल्लंघन है और निर्वाचन आयोग को इसके खिलाफ उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

पीठ ने उपध्याय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह के इस कथन पर गौर किया कि इसके लिए एक कानून बनाने और चुनाव चिह्न जब्त करने या राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने या दोनों पर ही विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि अंततः इसके लिए भुगतान नागरिकों को करना है।

पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद कहा, ‘‘देखते हैं। फिलहाल, हम नोटिस जारी करेंगे। सरकार और निर्वाचन आयोग को जवाब देने दीजिए।’’

पीठ ने कहा कि राजनीतिक दलों को याचिका के पक्षकारों के रूप में बाद में शामिल किया जा सकता है।

पीठ ने कहा, ‘‘कानूनी रूप से, मैं बहस में कुछ कानूनी प्रश्न पूछ रहा हूं। हम जानना चाहते हैं कि इसे नियंत्रित कैसे करना है।

प्रियंका का दावाः गोरखपुर से चुनाव लड़ाकर योगी का कद कम कर रहा है भाजपा नेतृत्व, एक ही सुप्रीम नेता हो सकता है

नई दिल्ली/ एजेंसी । कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जम कर हमला होला। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि चुनाव विकास के मुद्दों पर ही लड़े जाएं। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में गलत रास्ता अख्तियार करने से इनकार कर दिया है। प्रियंका ने कहा कि महिलाओं को एक अलग राजनीतिक इकाई तरह मतदान करना चाहिए, यही समय है कि वह अपने अधिकारों को समझें और राजनीति के मैदान में अपने उचित स्थान की मांग करें।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) को निशाने पर लेते हुए प्रियंका ने कहा कि दोनों दलों को ध्रुवीकरण भाता है क्योंकि इससे दोनों का वोट बैंक मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा को ध्रुवीकरण का फायदा उठाने से रोकने के लिए प्रदेश की जनता को अलग तरह की राजनीति का विकल्प देने की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर से चुनाव लड़ने को लेकर गांधी ने कहा कि मुझे लगता है भाजपा नेतृत्व उनके कद को कम करना चाहता है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भाजपा का यह कदम संकेत देता है कि उनका नेतृत्व योगी आदित्यनाथ के कद को कम करना चाहती है क्योंकि उनकी निरंकुश व्यवस्था में केवल एक ही सुप्रीम नेता हो सकता है। बता दें कि भाजपा ने 15 जनवरी को एलान किया था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर शहरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले ऐसी चर्चा चल रही थी कि आदित्यनाथ को अयोध्या से उम्मीदवार बनाया जा सकता है, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने ऐसा नहीं किया।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संबोधन

राष्ट्रपति ने कहा, गणतंत्र दिवस का यह दिन उन महानायकों को याद करने का अवसर भी है जिन्होंने स्वराज के सपने को साकार करने के लिए अतुलनीय साहस का परिचय दिया।

नई दिल्ली/ एजेंसी ।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देश और विदेश में रहने वाले आप सभी भारत के लोगों को मेरी हार्दिक बधाई! यह हम सबको एक सूत्र में बांधने वाली भारतीयता के गौरव का उत्सव है। सन 1950 में आज ही के दिन हम सब की इस गौरवशाली पहचान को औपचारिक स्वरूप प्राप्त हुआ था।

कोरोना पर राष्ट्रपति की चेतावनी

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने कहा, मानव समुदाय को एक-दूसरे की सहायता की इतनी जरूरत कभी नहीं पड़ी थी जितनी कि आज है। अब दो साल से भी अधिक समय बीत गया है लेकिन मानवता का कोरोनावायरस के विरुद्ध संघर्ष अभी भी जारी है। इस महामारी में हज़ारों लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर आघात हुआ है। विश्व समुदाय को अभूतपूर्व विपदा का सामना करना पड़ा है।

हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने नौसेना को सौंपी 50 टन की चौथी बड़ी नाव ‘बलबीर’

- इस श्रृंखला की 3 नावें पहले ही बेड़े में शामिल होने से समुद्र में बढ़ी है नौसेना की ताकत
- समुद्री परीक्षणों में ही बोलार्ड पुल टग्स ने नौसेना की जरूरतों के मुताबिक किया है प्रदर्शन

नई दिल्ली। बोलार्ड पुल टग्स की श्रृंखला में बनाई गई 50 टन की चौथी और आखिरी नाव बलबीर भारतीय नौसेना को सौंप दी गई। इस श्रृंखला की 03 नावें पहले ही नौसेना में शामिल की जा चुकी हैं जिससे समुद्र में भारत की ताकत में बढ़ोतरी हुई है। इन बड़ी नावों को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने (एचएसएल) ने पूरी तरह से डिजाइन और निर्मित किया है। यह नावें 12 समुद्री मील तक की गति से दौड़ सकती हैं। समुद्री परीक्षणों के दौरान ही बोलार्ड पुल टग्स ने अपनी क्षमताओं को साबित करके नौसेना की जरूरतों के मुताबिक प्रदर्शन किया है।

भारतीय नौसेना का विशाखापत्तनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड के साथ 50 टन की 4 बोलार्ड पुल टग के निर्माण का अनुबंध 19 फरवरी, 2021 को हुआ था। एचएसएल ने इस श्रेणी की तीन बड़ी नावें पहले ही नौसेना को सौंप दी हैं, जिससे सहायता सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और भारतीय नौसेना की फ्लीट परिसंपत्तियों की उच्च परिचालन क्षमता बढ़ी है। टग्स वीरन और बलराज को पिछले साल अक्टूबर और दिसंबर में नेवल डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में और बलराम को 30 अक्टूबर को नेवल डॉकयार्ड, मुंबई में शामिल किया गया है। यह नावें आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप रक्षा मंत्रालय की मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड पहल के गौरवशाली ध्वजवाहक हैं।

इस श्रृंखला की चौथी और आखिरी नाव बलबीर 24 जनवरी को नेवल डॉकयार्ड, मुंबई को सौंप दी गई। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने 50 टन का बोलार्ड पुल टग बलबीर बनाने के साथ ही इस तरह की बड़ी नावें बनाने में दोहरा शतक लगा दिया है क्योंकि, एचएसएल में निर्मित यह 200वां पोत है। इसे 20 साल के जीवनकाल के साथ भारतीय शिपिंग रजिस्टर (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के तहत एचएसएल ने डिजाइन और निर्मित किया है।

डबल इंजन सरकार का डेवलपमेंट मॉडल जिताएगा 300 प्लस सीटें : स्वतंत्रदेव सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी ।

हमारा विकास का मॉडल सबके सामने है। बिजली, पानी, सड़क, आवास, राशन, सुरक्षा, क़ानून व्यवस्था। हम ऐसे मुद्दों के साथ जनता के बीच मे हैं। समाजवादी पार्टी दल नहीं दलदल है। अब ये जनता में झूठ बोलकर मुफ्त में बिजली देने की बात कर रहे हैं। मैं इनसे पूछता हूं कि जब ये सत्ता में थे तो फ्री छोड़िए, बिजली की नियमित आपूर्ति तक क्यों नहीं कर पाते थे। अरे...झूठ की बुनियाद पर कहीं इमारत बुलंद होती है। आप देखिएगा इस बार तीन सौ से ज्यादा सीटें भाजपा की आएंगी। यह कहना है उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का। स्वतंत्र देव ने अमर उजाला डॉट कॉम से हुई बातचीत में प्रदेश में चल रहे विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर आशीष तिवारी से बातचीत की।

इंडोनेशिया के क्लब में झगड़े व आग लगने की घटना में 19 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के वेस्ट पपुआ प्रांत में स्थित एक नाइट क्लब में दो समूहों का झगड़ा हो गया जिसके बाद इमारत में आग लग गई। इस घटना में 19 लोगों की मौत हो गई।

वेस्ट पपुआ पुलिस के प्रवक्ता एडम एरविंडी ने मेट्रो टीवी से कहा कि मृतकों में सोरोंग शहर में स्थित क्लब में सोमवार रात को झगड़ा करने वालों में से एक व्यक्ति शामिल है। बाकी 18 और लोगों की मौत आग लगने के कारण बताई जाती है।

पुलिस झगड़े की वजह की जांच कर रही है और इस बात की भी तफ्तीश कर रही है कि आग लगाई गई थी या दुर्घटनावश लगी थी।

एरविंडी ने कहा कि पुलिस अधिकारी दोनों समूहों के प्रमुख लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं ताकि स्थिति और साफ हो सके।

बिडेन ने यूक्रेन के मुद्दे पर की यूरोप के नेताओं के साथ बैठक

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के बढ़ते आक्रमण को लेकर बैठक की और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्वी हिस्से में सुरक्षा -व्यवस्था को मजबूत करने के मुद्दे पर चर्चा की। आभासी तरीके से सोमवार को आयोजित हुई इस बैठक में यूरोपीय आयोग, यूरोपीय परिषद, नाटो, फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड और ब्रिटेन के नेताओं ने हिस्सा लिया। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि बैठक में नेताओं ने यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण को रोकने के लिए अपने संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की, जिसमें रूस पर गंभीर आर्थिक लागत लगाने के साथ-साथ नाटो के पूर्वी हिस्से पर सुरक्षा को मजबूत करने की तैयारी शामिल है। व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया, नेताओं ने मौजूदा तनाव के लिए एक राजनयिक समाधान हेतु अपनी साझा इच्छा को रेखांकित किया और कई प्रारूपों में रूस के साथ हाल की व्यस्तताओं की समीक्षा की।

अमेरिका में डीसी, तीन राज्यों ने गूगल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

वाशिंगटन। अमेरिका में डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया (डीसी) और तीन राज्यों ने उपभोक्ताओं को कथित रूप से धोखा देने और उनकी निजता का उल्लंघन करने के मामले में गूगल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

वाशिंगटन की अदालत में सोमवार को दायर मुकदमे में डीसी के अटॉर्नी जनरल कार्ल रैसीन ने आरोप लगाया कि गूगल ने उपभोक्ताओं की 'लोकेशन' (उपभोक्ता किस स्थान पर है, उसकी जानकारी) पर नजर रखकर और उसका इस्तेमाल करके उन्हें ''व्यवस्थित'' तरीके से धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि गूगल ने उपभोक्ताओं को यह भरोसा दिलाकर उन्हें भ्रमित किया है कि वे उनके बारे में कंपनी द्वारा एकत्र की गई जानकारी को नियंत्रित कर सकते हैं।

मुकदमे में कहा गया है, ''वास्तविकता यह है कि गूगल उत्पादों का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ता कंपनी को उनके लोकेशन की जानकारी साझा करने, इसे एकत्र करने और इससे लाभ कमाने से नहीं रोक सकते।''

इसमें कहा गया है, ''गूगल के पास उपभोक्ताओं के दैनिक जीवन पर नजर रखने की असाधारण क्षमता है।''

रैसीन के कार्यालय के अनुसार,

टेक्सास, इंडियाना और वाशिंगटन राज्य के अटॉर्नी जनरल ने भी अपने-अपने राज्यों की अदालतों में इसी प्रकार के मुकदमे दर्ज कराए हैं।

गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने एक बयान में कहा, ''अटॉर्नी जनरल ने गलत दावों और हमारी सेटिंग के बारे में पुराने अभिकथनों के आधार पर ये मुकदमे दायर किए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि गूगल ने अपने उत्पादों में उपभोक्ताओं की निजता का विशेष रूप से ध्यान रखा है।

ईरान को संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान का अधिकार मिला वापस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सोमवार को कहा कि ईरान, गिनी और वानुआतु ने 193 सदस्यीय विश्व निकाय में अपने मतदान के अधिकार को फिर से हासिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित संचालन बजट में पर्याप्त बकाया राशि का भुगतान कर दिया है।

अब केवल वेनेजुएला और पापुआ न्यू गिनी के पास ही महासभा में मतदान का अधिकार नहीं है।

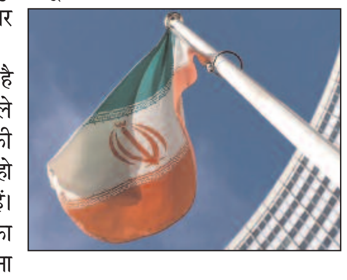

संयुक्त राष्ट्र चार्टर में कहा गया है कि जिन सदस्यों का बकाया पिछले दो पूर्ण वर्षों के उनके योगदान की राशि के बराबर या उससे अधिक हो वे मतदान का अधिकार खो देते हैं। महासभा को यह तय करने का अधिकार भी है कि क्या भुगतान ना करने की वजह सदस्य देश के नियंत्रण से बाहर तो नहीं थी। ऐसी स्थिति में देश मताधिकार का इस्तेमाल करना जारी रख सकता है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस के महासभा को 12 जनवरी को जारी किए गए एक पत्र के अनुसार, आठ देशों ने अपना मताधिकार खो दिया था। इनमें से तीन देशों सूडान, एंटीगुआ एवं बारबुडा और कांगो गणराज्य ने पिछले सप्ताह अपनी बकाया राशि का भुगतान कर मताधिकार हासिल कर लिया था। महासभा ने फैसला किया कि सूची में शामिल तीन अफ्रीकी देश कोमोरोस, साओ तोमे एवं प्रिन्सिपी और सोमालिया अपने मतदान के अधिकार का इस्तेमाल कर पाएंगे। गुतारेस के पत्र के अनुसार, मतदान के अधिकार को बहाल करने के लिए आवश्यक न्यूनतम भुगतान ईरान के लिए 18,412,438 डॉलर, वेनेजुएला के लिए 39,850,761 डॉलर और सूडान के लिए 299,044 डॉलर डॉलर था। पांच अन्य देशों में से प्रत्येक को अपने मतदान अधिकारों को बहाल करने के लिए 75,000 डॉलर से कम का भुगतान करना था। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों से मुक्त ईरानी बैंक फंड का उपयोग करते हुए उसने ईरान के 1.8 करोड़ डॉलर से अधिक की बकाया राशि का भुगतान किया है। उसने कहा कि भुगतान 'यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेज़री' के साथ परामर्श के बाद किया गया। यह कदम ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते में अमेरिका के फिर से शामिल होने का एक संभावित संकेत है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में अमेरिका को इस समझौते से बाहर कर लिया था।

पाकिस्तान सरकार ने शहबाज से दस दिनों में मांगी नवाज शरीफ की मेडिकल रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सरकार बनाम विपक्ष की लड़ाई तेज होती जा रही है। प्रधानमंत्री इमरान खान मुख्य विपक्षी दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को लंदन से वापस लाने के प्रयासों में लगे हैं।

अब पाकिस्तान सरकार ने नवाज शरीफ के भाई व नेशनल एसेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ से दस दिनों के भीतर अपने भाई नवाज शरीफ की मेडिकल रिपोर्ट देने को कहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों में सर्वाधिक नौ साल से अधिक प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ इस समय चिकित्सकीय कारणों से लंदन में हैं। अब पाकिस्तान सरकार उनका चिकित्सकीय परीक्षण कर वापस पाकिस्तान लाने की तैयारी में जुट गयी है। नवाज शरीफ की प्रत्यर्पण प्रक्रिया तेज करने की रणनीति बनाई गयी है। पाकिस्तान के अटार्नी जनरल खालिद जावेद के कार्यालय से जारी एक पत्र में शहबाज शरीफ से 10 दिनों के अंदर नवाज शरीफ की मेडिकल रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है।

आतंकवाद की साझा परिभाषा पर अभी सहमत नहीं है संयुक्त राष्ट्र: भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने इस बात पर चिंता जताई है कि संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद की एक साझा परिभाषा पर अभी तक सहमत नहीं हुआ है और ना ही इस वैश्विक संकट से निपटने एवं आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने के लिए कोई समन्वित नीति तैयार की गई है।

भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक संधि करने की प्रक्रिया को टालते जा रहे हैं और असफल साबित हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में द्वितीय सचिव दिनेश सेतिया ने सोमवार को संगठन के कार्य पर महासचिव की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श के लिए आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में कहा, ''द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से देश और समाज जिस सबसे खतरनाक संकट से जूझ रहे हैं, उस आतंकवाद से गंभीरता से निपटने की हमारी अक्षमता उन लोगों के लिए संगठन की प्रासंगिकता पर सवाल उठाती है, जिनकी रक्षा करना संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के तहत उसकी जिम्मेदारी है।''

उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र अभी किसी साझा परिभाषा पर सहमत नहीं हो पाया है। वह आतंकवाद से निपटने और इसके नेटवर्क को समाप्त करने की समन्वित नीति बनाने में नाकाम रहा है। हम अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक संधि करने की प्रक्रिया को टालना जारी रखकर असफल ही साबित हुए हैं।''

भारत ने 1986 में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि (सीसीआईटी) पर संयुक्त राष्ट्र में एक मसौदा दस्तावेज का प्रस्ताव रखा था, लेकिन इसे अभी तक लागू नहीं किया जा सका है, क्योंकि सदस्य देशों के बीच आतंकवाद की परिभाषा को लेकर सर्वसम्मति नहीं बनी है।

भारतीय राजनयिक ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रभावशीलता, प्रासंगिकता और दीर्घकालिकता बदलते समय के अनुसार स्वयं को ढालने की उसकी क्षमता पर निर्भर करती है।

सेतिया ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के इस मत से सहमत है कि वैश्विक व्यवस्था के समक्ष दबावों के खिलाफ बचाव के लिए एक जीवंत, विश्वसनीय और प्रभावी संयुक्त राष्ट्र अहम है।

भारत ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई के लिए महासचिव के नेतृत्व की सराहना की।

सेतिया ने कहा कि पिछले एक साल में भारत कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के वैश्विक प्रयासों में शामिल हुआ है।

उन्होंने कहा कि 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य' दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आह्वान देश की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो 150 से अधिक देशों को दवाओं और कई विकासशील देशों को टीकों की आपूर्ति के जरिए पहले ही स्पष्ट हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया 26 जनवरी को मनाएगा राष्ट्रीय दिवस

कैनबरा। आस्ट्रेलिया के लोग बुधवार को अपने राष्ट्रीय कैलेंडर के मुख्य आकर्षणों में से एक छोटे और बड़े कार्यक्रम को साथ मनाएंगे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 26 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया दिवस पारंपरिक रूप से गर्मी की छुट्टी है, जिसे पारिवारिक समारोहों, पिकनिक और बारबेक्यू के साथ मनाया जाता है। इस मौके पर लोग समुद्र तट पर धूप सेंकते हैं और राष्ट्रीय ध्वज के साथ संगीत कार्यक्रम होते हैं।

सबसे बड़े शहर, सिडनी में बंदरगाह के चारों ओर कार्यक्रमों का एक पैक शेड्यूल है, जो सिडनी ओपेरा हाउस के पाल पर प्रक्षेपित आदिवासी कलाकृति के साथ एक मॉर्निंग समारोह के साथ शुरू होता है।

बंदरगाह के आसपास के अन्य मुख्य आकर्षण में वायु सेना का हवाई प्रदर्शन, 19वीं सदी के नौकायन जहाजों की एक दौड़, एक नाव रेगाटा, एक संगीत कार्यक्रम और शाम को आतिशबाजी शामिल होगी।

इस बीच, देश के सबसे बड़े ऑस्ट्रेलिया दिवस आयोजनों में से एक, स्काईवर्क्सस का मंचन पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) की राजधानी पर्थ में स्वान नदी के तट पर किया जाएगा।

डब्ल्यूए ने पूरे महामारी के दौरान देश के सबसे कठिन सीमा नियंत्रण उपाय किए हैं और इसके कड़े प्रतिबंधों के कारण पिछले साल के स्काईवर्क्सौ को आश्रय दिया गया और चिंताएं थीं कि 2022 में भी ऐसा ही होगा।

हालांकि, डब्ल्यूए सरकार ने इस सप्ताह की शुरूआत में पुष्टि की है कि विशाल आतिशबाजी का प्रदर्शन आमतौर पर हजारों दर्शकों को आकर्षित करता है। उसे किया जाएगा।

पर्थ लॉर्ड मेयर बेसिल जेम्पिलस ने स्थानीय समाचार पत्र द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन को बताया, हमें सुरक्षित रहना है।

उन्होंने कहा, हर किसी को मास्क पहनना चाहिए, लेकिन हम डर में नहीं रह सकते। ऑस्ट्रेलिया दिवस जश्न मनाने का दिन है।

इटली में राष्ट्रपति चुनाव के लिये मतदान का पहला दौर हुआ खत्म

रोम। इटली में राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे चुनाव का पहला दौर समाप्त हो गया है, हालांकि इससे यह पता नहीं चल पाया कि रूझान किस ओर अधिक है। मतों की गिनती इतालवी संसद के चैंबर ऑफ डेप्युटीज के अध्यक्ष रॉबर्टो फिको ने की। श्री फिको ने बताया कि चूंकि किसी भी उम्मीदवार को कुल मतों का दो तिहाई नहीं मिल पाया है इसलिये अब दूसरे चरण की ओर बढ़ना जरूरी है, जो मंगलवार को 15:00 बजे से शुरू होगा। मतदान परिणामों के अनुसार, पहले दौर में 976 मतदाताओं ने हिस्सा लिया।

दक्षिण कोरिया में पहली बार एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 8,000 से अधिक मामले आए

सियोल। दक्षिण कोरिया में मंगलवार को पहली बार कोरोना वायरस संक्रमण के 8,000 से अधिक नये मामले सामने आये।

कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी ने संक्रमण के नये मामलों की संख्या 8,571 बताई है। इससे पहले लगातार तीन दिन तक संक्रमण के मामले 7,000 से अधिक थे। यहां कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप डेल्टा से दोगुने से अधिक तेजी से संक्रमण फैला रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इस सप्ताह देश में संक्रमण के मामले 10,000 से अधिक हो सकते हैं और इस सप्ताहांत से शुरू होकर अगले बुधवार तक चलने वाली चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के बाद संक्रमितों की दैनिक संख्या 20,000 तक पहुंचने का अनुमान जताया गया है।

अस्पतालों और आवश्यक सेवाओं पर बढ़ते बोझ को रोकने के लिए दक्षिण कोरिया पृथकवास अवधि कम करेगा, जांच बढ़ाएगा और घरों पर ही अधिक से अधिक लोगों का इलाज कराया जाएगा।

भ्रष्टाचार के मामले में और फिसला पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के लेटेस्ट भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई 2021) में और फिसल गया है। इसे लेकर विपक्ष ने इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को फटकार लगाते हुए प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। जियो न्यूज ने इसकी जानकारी दी है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में मंगलवार को दिखाया गया कि 180 देशों में से 124 से पाकिस्तान की रैंक 16 पायदान गिरकर 140 पर आ गई है।

संगठन ने कहा, सूचकांक, जो विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार के अपने कथित स्तरों से 180 देशों और क्षेत्रों को रैंक करता है, शून्य से 100 के पैमाने का उपयोग करता है, जहां शून्य अत्यधिक भ्रष्ट है और 100 बहुत साफ है।

सूचकांक में शीर्ष देश डेनमार्क (88), फिनलैंड (88) और न्यूजीलैंड (88) हैं, जो सभी लोकतंत्र सूचकांक नागरिक स्वतंत्रता स्कोर पर दुनिया में शीर्ष 10 प्रतिशत में भी रैंक करते हैं।

सोमालिया (13), सीरिया (13) और दक्षिण सूडान (11) सीपीआई में सबसे नीचे हैं। इसमें कहा गया है कि नागरिक स्वतंत्रता में सीरिया को भी अंतिम स्थान दिया गया है, जबकि सोमालिया और दक्षिण सूडान को कोई रेटिंग नहीं मिली है।

जवाब में, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने कहा कि लगातार दूसरे वर्ष, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने साक्ष्य दिया है कि मौजूदा सरकार के दौरान भ्रष्टाचार चोर और भ्रष्ट है।

उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय संगठन की रिपोर्ट एक अभियोग (सरकार के खिलाफ) है और भ्रष्ट शासकों को इस्तीफा दे देना चाहिए। देश अब उनकी लूट को सहन नहीं कर सकता।

तालिबान ने ओस्लो में अमेरिका 7 अन्य देशों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

ओस्लो/काबुल । नार्वे के दौरे पर आए तालिबान प्रतिनिधिमंडल और अमेरिका तथा सात अन्य देशों और क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने ओस्लो में बातचीत की, जिसमें मुख्य रूप से अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था, युद्धग्रस्त देश को मानवीय सहायता, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित किया गया। मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली।

तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहार बल्खी के अनुसार, तीन दिनों तक चलने वाली बैठक सोमवार को शुरू हुई और शेष प्रतिनिधि यूके, नॉर्वे, जर्मनी, इटली, फ्रांस, कतर और यूरोपीय संघ (ईयू) से थे।

एक ट्वीट में, बाल्खी ने कहा- बैठक अर्थव्यवस्था, मानवीय

सहायता, सुरक्षा, केंद्रीय बैंक के संचालन, स्वास्थ्य और अन्य प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा पर केंद्रित थी। चर्चा जारी है।

बैठक से एक दिन पहले, अफगानिस्तान के लिए अमेरिका के विशेष दूत थॉमस वेस्ट ने रविवार शाम को कहा कि वाशिंगटन और उसके सहयोगी मौजूदा मानवीय संकट से निपटने के तरीके तलाश रहे हैं।

उन्होंने कहा, जैसा कि हम सहयोगियों, भागीदारों और राहत संगठनों के साथ मिलकर मानवीय संकट को संबोधित करना चाहते हैं, हम तालिबान के साथ एक स्थिर, अधिकारों का सम्मान करने वाले और समावेशी अफगानिस्तान में अपनी चिंताओं और हमारे स्थायी हित के बारे में स्पष्ट कूटनीति जारी रखेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की बैठकें देश की समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

प्रोफेसर सैयद बाकिर मोहसेनी ने कहा, एक समावेशी और टिकाऊ सरकार के गठन के लिए अफगानिस्तान के अंदर एक रचनात्मक कदम उठाने की जरूरत है।

इससे पहले रविवार को तालिबान ने महिलाओं सहित अफगानिस्तान के नागरिक समाज के सदस्यों से मुलाकात की और अफगानिस्तान में चल रहे हालात पर चर्चा की।

कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल शनिवार रात नॉर्वे पहुंचा। अगस्त 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद यह उनकी पहली यूरोप यात्रा है।

हालांकि यह यात्रा नॉर्वे के आधिकारिक आमंत्रण पर हो रही है, ओस्लो की सरकार ने कहा है कि यह तालिबान की वैधता या मान्यता का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।

महामारी के कारण दुनिया भर में बड़े स्तर पर हुआ शिक्षा का नुकसान :यूनिसेफ

न्यूयॉर्क। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस के मौके पर मंगलवार को यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 61.6 करोड़ से अधिक छात्र पूर्ण या आंशिक स्कूल बंद होने से प्रभावित हैं।

कोविड-19 महामारी को दुनिया भर में फैले करीब दो साल होने को हैं, इस बीच रिपोर्ट में यूनिसेफ ने बच्चों के सीखने पर महामारी के प्रभाव पर नवीनतम उपलब्ध डेटा साझा किया है।

यूनिसेफ के शिक्षा प्रमुख रॉबर्ट जेनकिंस ने एक बयान में कहा, मार्च में, हम वैश्विक शिक्षा के लिए दो साल के कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों को चिह्नित करेंगे। हम बच्चों की स्कूली शिक्षा के नुकसान के लगभग दुर्गम पैमाने को देख रहे हैं।

बच्चों ने बुनियादी

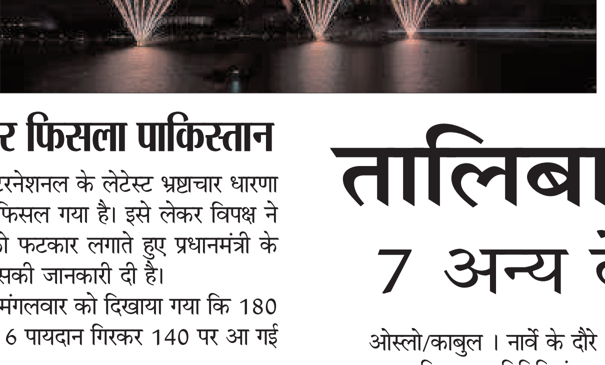

संख्यात्मकता और साक्षरता कौशल खो दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, स्कूल बंद होने से सीखने के नुकसान ने 10 साल के 70 प्रतिशत बच्चों को एक साधारण पाठ को पढ़ने या समझने में असमर्थ बना दिया है, जो कि 53 प्रतिशत के पूर्व-महामारी के स्तर से ऊपर है।

अगर इथियोपिया से जुड़े आंकड़ों को देखें तो वहां प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे व्यवधान के चलते सामान्य से केवल 30 से 40 फीसदी ही गणित सीख पाए थे।

ब्राजील के कई राज्यों में, ग्रेड 2 में चार में से लगभग तीन बच्चे पढ़ने में गलती कर रहे हैं, जो कि महामारी से पहले के 2 बच्चों में से 1 से अधिक स्तर है।

दक्षिण अफ्रीका में भी स्कूली बच्चों के बीच शिक्षा में रुकावट साफ तौर पर देखी गई है।

इसके साथ ही भारत में, 14-18 वर्ष के बीच के 80 प्रतिशत किशोरों ने स्कूलों के बंद होने के कारण सही प्रकार से नहीं सीखने जैसी दिक्कतों का सामना किया है।

यूके, यूएस और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों में भी सीखने में कमी देखी गई है।

इसके स्कूल बंद होने से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ा है, पोषण के नियमित स्रोत तक उनकी पहुंच कम हो गई है और उनके दुरुपयोग का खतरा बढ़ गया है।

साक्ष्यों से पता चलता है कि कोविड-19 ने बच्चों और युवाओं में चिंता और अवसाद की उच्च दर पैदा की है, कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि लड़कियों, किशोरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को इन समस्याओं का अनुभव होने की सबसे अधिक संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, दुनिया भर में 37 करोड़ से अधिक बच्चे स्कूल बंद होने के दौरान स्कूली भोजन से चूक गए, कुछ बच्चों के लिए भोजन और दैनिक पोषण का एकमात्र विश्वसनीय स्रोत खो गया।

जेनकिंस ने कहा कि सीखने में रुकावटें खत्म होनी चाहिए, लेकिन स्कूलों को फिर से खोलना काफी नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा, छात्रों को खोई हुई शिक्षा को पुनर्प्राप्त करने के लिए गहन समर्थन की आवश्यकता है।

यूक्रेन तनाव के बीच नाटो के सैन्य निर्माण को नजरअंदाज नहीं कर सकता रूस: क्रेमलिन

मास्को।

रूस की सेना उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सैन्य गतिविधियों में वृद्धि को नजरअंदाज नहीं कर सकती क्योंकि यूक्रेन को लेकर तनाव बढ़ गया है। ये जानकारी क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पेसकोव ने सोमवार को अपनी दैनिक ब्रीफिंग के दौरान यह टिप्पणी की, जब नाटो ने कहा कि उसके सहयोगी रूस को रोकने के लिए पूर्वी यूरोप में नाटो की तैनाती के लिए अतिरिक्त जहाजों और लड़ाकू विमानों को भेज रहे हैं।

उन्होंने कहा, नाटो युद्धाभ्यास के अलावा, यूक्रेनी अधिकारी डोनबास में दो स्व-घोषित गणराज्यों के साथ संपर्क की रेखा पर भारी मात्रा में बलों को केंद्रित कर रहे हैं।

प्रवक्ता ने कहा, पूर्वी यूक्रेन में डोनबास क्षेत्र में कीव द्वारा उकसावे का खतरा अब पहले से कहीं ज्यादा है।

पेसकोव ने कहा कि तनाव का मौजूदा बढ़ना अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों के कारण है, जिन्होंने रूस के खिलाफ झूठ से भरा प्रचार अभियान शुरू किया है।

अमेरिका और ब्रिटेन यूक्रेन में अपने दूतावासों से कुछ कर्मचारियों और आश्रितों को वापस ले रहे हैं, जिससे यह डर पैदा हो रहा है कि संघर्ष की आशंका है।

मूंगफली बेचने से महापौर तक का सफर

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल उस समय भाव-विभोर हो गये जब उन्हें माननीय प्रधानमंत्री कार्यालय से गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का आमंत्रण मिला और वे अपनी खुशी के आंसू रोक नहीं पाये। चूंकि यह आमंत्रण उन्हें पूर्वी दिल्ली के प्रथम नागरिक होने के नाते मिला, जब 26 जनवरी 1972 की परेड में उनके बचपन की वह यादें ताजा कर दी जब अपने बाल्यकाल के समय अपने पिता स्व0 ओम प्रकाश अग्रवाल तथा अपनी बड़ी बहन वीना के साथ इंडिया गेट पर दोनों भाई-बहन मूंगफली बेचते हुए गणतंत्र दिवस की परेड को देखकर खुश हुआ करते थे। आज परमात्मा की कृपा और भाजपा परिवार के आशीर्वाद से श्याम सुन्दर अग्रवाल महापौर पद पर पहुंचे हैं। उन्होंने इसके लिए माननीय प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए अपने संबोधन में कहा है कि यह सब हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी का ही प्रताप है कि आज भारतीय जनता पार्टी उच्च शिखर पर पहुंची है और जिसके कारण मुझे पूर्वी दिल्ली के महापौर के पद पर आसीन होने का गौरव प्राप्त हुआ है । उन्होंने प्रधानमंत्री जी का दिल से आभार प्रकट करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस पर आपके नजदीक बैठकर गणतंत्र दिवस देखने का अवसर प्राप्त होगा, इसके लिए आपका शुक्रिया।

सात साल बाद भी लागू नहीं हुआ जनलोकपाल: डॉ.नरेंद्र नाथ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डॉ.नरेंद्र नाथ का कहना है 2015 में विधानसभा से जनलोकपाल बिल पारित हुआ और उपराज्यपाल को भेज दिया गया 7 साल के बाद भी दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा अभी तक जनलोकपाल बिल लागू नही किया गया। केजरीवाल कहते है हमारी सरकार ईमानदार है ,लेकिन जनलोकपाल बिल दिल्ली में अभी तक लागू क्यों नही किया जिसको लेकर ये दिल्ली की सत्ता में आये थे इससे जाहिर होता है कि, दिल्ली सरकार ईमानदार नही बेईमान और भ्रष्टाचार में लिप्त है। आज केजरीवाल की पार्टी गोआ, पंजाब, उत्तराखंड आदि प्रदेशों में चुनाव प्रचार में जो पैसा खर्च कर रहे है वो पैसा कहाँ से आ रहा है ? दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार के माध्यम से दिल्ली में पैसा इकट्ठा कर रही है जो दूसरे प्रदेशों के चुनाव में खर्च कर रही है। दिल्ली सरकार का ईमानदारी का नारा खोखला और झूठा है। इसी प्रकार दिल्ली के तीनों नगर निगमों में 15 सालों से बीजेपी की सरकार है जो पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है और नगर निगम की प्रॉपर्टी को बीजेपी सरकार द्वारा बेचा जा रहा है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और तीनों नगर निगम में बीजेपी की सरकार भ्रष्टाचार में पूरी तरह से लिप्त है। दिल्ली में आने वाले नगर निगम चुनाव में दिल्ली की जनता सोच समझकर फैसला करेगी। दिल्ली की जनता समझदार और जागरूक है।

नदी से जुड़ी धार्मिक क्रियाओं का वैज्ञानिक महत्व: प्रो. हरित्मा

नई दिल्ली। नदियां सभ्यता और संस्कृति की संवाहक होती हैं। 'नदी को जानो अभियान से जुड़कर हम सभी न केवल नदियों के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त करने में सफल होंगे, बल्कि हमारे ऋषि-महर्षियों द्वारा प्रदत्त पारंपरिक ज्ञान में समाहित विज्ञान को भी भलीभांति समझ सकेंगे। उक्त बातें मैत्रेयी कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. हरित्मा चोपड़ा ने कहीं। वह मैत्रेयी कॉलेज और भारतीय शिक्षण मंडल दिल्ली प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में नदी को जानो विषय पर आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि नदी के जल में तांबे के सिक्के को डालना अथवा अस्थियों को प्रवाहित करना, इत्यादि क्रियाएं केवल धार्मिक विधि-विधान ही नहीं हैं, बल्कि इनका वैज्ञानिक महत्त्व भी है।

यमुना के बाढ़ क्षेत्र में कचरा फेंकने, अनधिकृत पार्किंग के लिए 929 वाहनों पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली । दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने बीते चार वर्षों में यमुना के बाढ़ क्षेत्र में अवैध रूप से कचरा और निर्माण मलबा गिराने तथा अनधिकृत पार्किंग करने के आरोप में 929 वाहनों पर कुल 2.41 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में डीडीए ने यमुना के बाढ़ क्षेत्र में अवैध रूप से कचरा गिराने तथा अनधिकृत पार्किंग करने के मामले में 610 चालान काटे थे। यह संख्या बीते चार वर्षों में सर्वाधिक है। 2020 में 54, 2019 में 186 और 2018 में सिर्फ एक चालान काटा गया था।

आंकड़ों के अनुसार, उल्लंघनकर्ताओं पर 2.41 करोड़ रुपये से अधिक का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया गया था, लेकिन अभी तक महज 46.87 लाख रुपये वसूल हो सके हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने यमुना के बाढ़ क्षेत्र में कचरा या निर्माण मलबा फेंकने पर साल 2015 में प्रतिबंध लगा दिया था। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर 50 हजार रुपये तक का पर्यावरणीय जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

कोविड काल में तनाव से निपटने के गुर सीखेंगे शिक्षक

नई दिल्ली। कोविड काल में शिक्षकों के तनाव को दूर किया जाएगा। इसके लिए उन्हें तनाव से निपटने के गुर सिखाएं जाएंगे। इसे लेकर ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एससीईआरटी) दिल्ली की ओर से परिपत्र जारी किया गया है। परिपत्र में कहा गया है कि शिक्षकों ने कोविड योद्धा के रूप में काम किया। कोविड ड्यूटी के साथ ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन कर रहे हैं। हम शिक्षकों के काम की सराहना करते हैं कि कोविड चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कार्य किया।

दिल्ली सरकार बाबा साहब और भगत सिंह के सपनों को पूरा कर रही है: केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली सचिवालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आजादी के 70 साल के बाद ही सही, दिल्ली सरकार बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर और भगत सिंह के सपनों को पूरा कर रही है। बाबा साहब का सपना था कि इस देश के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी उनका सपना पूरा नहीं हुआ। मुझे खुशी है कि बाबा साहब का सपना पूरा करने का काम दिल्ली में शुरू हो गया है। दिल्ली सरकार ने पिछले सात साल में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी काम किए।

सरकार बनते ही हमने शिक्षा का बजट बढ़ाकर 25 फीसद कर दिया और सारे स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक करने का काम शुरू किया। अब हम अपने स्कूलों में बच्चों को अच्छा इंसान व कट्टर देशभक्त बना रहे हैं और बिजनेस करना सीखा रहे हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ऐलान करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के दफ्तरों में अब किसी नेता की नहीं, बल्कि बाबा साहब और भगत सिंह की तस्वीरें लगाई जाएंगी और उनके वसूलों पर हमारी दिल्ली सरकार चलेगी। अगर आज बाबा साहब डॉ. अंबेडकर जिंदा होते, तो हमें खूब आशीर्वाद देते और हमें गले से लगा लेते।

दिल्ली ने सबसे ज्यादा कोरोना की मार झेली है और बहुत अच्छे से इस महामारी से निपटा है- अरविंद केजरीवाल

मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली सचिवालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर दिल्ली समेत पूरे देश वासियों को शुभकामनाएं दी। भारत माता की जय और बंदे मातरम् के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दो साल से केवल दिल्ली और देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया कोरोना नाम की बीमारी से जूझ रही है। पिछले दो साल से ढेर सारी गतिविधियां बंद पड़ी हैं। बहुत सारे लोग बीमार पड़े और बहुत सारे लोगों की मौत हुई। देश में कोरोना की यह तीसरी लहर चल रही है, लेकिन दिल्ली में पांचवीं लहर है और सबसे ज्यादा कोरोना की मार दिल्ली वालों ने झेली है। क्योंकि कोरोना का यह वायरस अपने देश का तो है नहीं, यह बाहर से आया है। बाहर से अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट्स सबसे ज्यादा दिल्ली आती हैं, तो सबसे पहले कोरोना दिल्ली में आया। दिल्ली के लोगों ने सबसे ज्यादा कोरोना की मार झेली, लेकिन दिल्ली निवासियों, अधिकारियों, डॉक्टरों ने बहुत अच्छे तरीके से इस पूरी कोरोना महामारी से निपटा है। दिल्ली की जनता ने जिस अनुशासन और धैर्य के साथ इसका सामना किया है, वह वाकई काबिले तारीफ है।

दिल्ली में 100 फीसद लोगों को वैक्सीन की पहली और 82 फीसदी लोगों को दूसरी डोज लग चुकी है, जो पूरे देश में रिकॉर्ड है- अरविंद केजरीवाल

सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ओमिक्रॉन की यह लहर बहुत ज्यादा तेजी से फैलती है, लेकिन थोड़ी माइल्ड बताई जाती है। 13 जनवरी को लगभग 29 हजार केस आए थे। जो दूसरी लहर आई थी, उसमें भी अधिकतम मामले लगभग इतने ही आए थे। लेकिन जब 13 जनवरी को 29 हजार केस थे, तब भी दिल्ली में बेड ढाई से तीन हजार ही भरे थे। 15 जनवरी को सबसे अधिक पॉजिटीविटी रेट लगभग 30 फीसद आया था। 15 जनवरी को 30 फीसद पॉजिटीविटी दर थी और 10 दिन के बाद आज 25 जनवरी को यह घट कर लगभग 10 से 10.50 फीसद के करीब रह गया है। इन 10 दिनों में करीब 20 फीसद पॉजिटीविटी रेट कम हो गया है। उसी तरह से केस में भी कमी आ रही है। यह इस बात का भी नतीजा है कि इस बार की लहर बहुत माइल्ड है। दूसरा, युद्ध स्तर पर दिल्ली में वैक्सीनेशन किया गया। अगर वैक्सीनेशन किया जाए, तो कोरोना का असर थोड़ा माइल्ड होता है। आज हमारे सभी डॉक्टर, नर्सेज, पैरा मेडिकल स्टॉफ, स्टॉफ और अधिकारियों ने मिलकर वैक्सीनेशन पर शानदार काम किया है। 100 फीसद पूरी दिल्ली को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। साथ ही, 82 फीसदी दिल्ली के लोगों को दूसरी डोज भी लग चुकी है। मुझे लगता है कि यह शायद पूरे देश में रिकॉर्ड है। शायद पूरी दुनिया में भी यह रिकॉर्ड है। और अब बूस्टर डोज भी बहुत तेजी से लग रही है।

हम समझ सकते हैं कि पाबंदियां लगाने से आपको तकलीफ होती है, लेकिन आपकी जान और सेहत भी जरूरी है- अरविंद केजरीवाल

सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना जब भी बढ़ता है, हम लोगों को कुछ पाबंदियां लगानी पड़ती है। मार्केट बंद करने पड़ते हैं, आर्थिक गतिविधियां बंद हो जाती हैं, स्कूल और कॉलेज बंद हो जाते हैं। हम समझते हैं कि इससे लोगों को तकलीफ होती है। लोगों की रोजी-रोटी खराब होती है। लेकिन आप हमारे उपर यह भरोसा रखिए कि हम उतनी ही पाबंदी लगाते हैं, जिनती जरूरत होती है। हम नहीं चाहते हैं कि आपकी रोजी-रोटी खराब हो। हम नहीं चाहते हैं कि आपकी आर्थिक गतिविधियों में किसी भी तरह की बांधा आए। लेकिन आपकी जान और सेहत जरूरत है न। उसको ध्यान में रखते हुए हमें यह पाबंदियां लगानी पड़ती है। पिछले हफ्ते मेरे पास कुछ व्यापारी आए। उन सभी ने कहा कि ऑड-ईवन और वीकेंड कर्फ्यू कर रखा है, इससे बड़ी दिक्कत हो रही है। मैंने उनको भरोसा दिलाया कि जैसे ही संभव होगा, हम इसको खोलेंगे। हमने एलजी साहब के पास कुछ प्रस्ताव भेजे, उनमें से कुछ प्रस्ताव एलजी साहब ने माने और कुछ नहीं माने।

मैंने देखा कि सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने एलजी साहब से नाराजगी जाहिर की। मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं कि एलजी साहब बहुत अच्छे हैं, वो आपकी सेहत और आपकी जिंदगी को लेकर चिंतित हैं। हम सब लोगों को कोई प्रतिबंध लगाने में मजे नहीं आते हैं।

भजन पुरा में निकाली गयी तिरंगा यात्रा

नई दिल्ली। 73वे गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर घोंडा विधानसभा के भजन पुरा वार्ड मे पूर्व निगम पार्षद रेखा रानी, बिजेन्द प्रधान के निवास स्थान से भजनपुरा वार्ड के सभी सम्मानित साथियों व क्षेत्रीय लोगो के साथ मिलकर पांचवे पुस्ते तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमे विशेष अतिथि के रूप मे पूर्व विधायक श्रीदत्त शर्मा और गाजीपुर सब्जीमंडी चेयरमैन राजकुमार बल्लन भी शामिल रहे। सभी ने हाथो मे तिरंगा लिए भारत माता की जय के नारे लगाते हुए देशभक्ति का जज्बा दिखाया। हर साल की तरह पांचवें पुस्ते पर झंडारोहण का कार्यक्रम पूरे देश भक्ति भावना के साथ संपन्न हुआ। दत्त शर्मा और गाजीपुर सब्जीमंडी चेयरमैन राजकुमार बल्लन के कर कमलो द्वारा ध्वजारोहण किया गया और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। सभी क्षेत्रवासियो को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाए देते हुए श्रीदत्त शर्मा ने कहा कि हर वर्ष की तरह आज भी सभी क्षेत्रीय लोगो के साथ इस राष्ट्रीय पर्व को बडे उत्साह और उल्लास के साथ मना रहे है। आजादी के 75वे वर्ष मे देश भर मे अमृत महोत्सव की धूम है। राजकुमार बल्लन ने कहा कि रेखा रानी बिजेन्द्र प्रधान द्वारा हर वर्ष यहां पांचवे पुस्ते पर क्षेत्र का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराकर देश के राष्ट्रीय पर्व को धूमधाम से मनाने की परंपरा सभी के लिए प्रेरणा बन गई है। कई प्रतिनिधियो ने इनसे प्रेरित होकर अपने अपने क्षेत्र मे ध्वजारोहण और तिरंगा यात्रा की शुरुआत की है। इस पावन अवसर पर सभी देशवासियो को 73वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाए देता हूं। रेखा रानी ने कहा कि हम देश को आजादी दिलाने वाले शहीदो को और संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर को नमन करते है। हमारा संविधान हमे समानता का अधिकार देता है इसी परिकल्पना को साकार करते हुए केजरीवाल सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है ताकि समाज मे समानता रहे और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओ का लाभ पहुचें। सरकार द्वारा दिल्ली मे मुख्य स्थानो पर ऊंचे तिरंगे लगाने की योजना है तथा स्कूलो मे भी देशभक्ति पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे है यह अच्छी पहल है। समारोह मे बिजेंद्र प्रधान, राजेंद्र अधाना, इंद्रजीत शर्मा, मंगत राम, देशराज, वली मोहम्मद, संजय मावी, राजू छारिया, सतपाल सिंह, अनूप सूर्यवंशी, मदन , विवेक चौधरी, मुकेश, चाहत कुमार, राजीव चौधरी, प्रदीप एडवोकेट, निखिल बब्बर, अशोक मास्टर, शालिनी ठाकुर, मानवी शर्मा, उन्नति, कांता गौतम, शिखा, शशि, सुधा शर्मा, गोपाल गोस्वामी, सोनी, रमेश प्रधान, अजय कश्यप, ललित चौधरी, प्रदीप चौधरी, ऊषा झा, पूनम, पूजा, मंजीत, सरिता, सुधा, मधु, संगीता एवं सैकड़ों सम्मानित क्षेत्रवासियों ने हिस्सा लिया।

खुद को बिजनेसमैन बता लग्जरी होटलों में रहते थे पिता-पुत्र, फिर बिल चुकाए बिना हो जाते थे फरार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने एक शातिर पिता-पुत्र की जोड़ी को गिरफ्तार किया है, जो खुद को बिजनेसमैन बताकर लग्जरी होटलों में रहते थे और फिर बिना बिल चुकाए वहां से भाग जाते थे। पंजाब के जलंधर के रहने वाले इन पिता-पुत्र की पहचान कमलजीत सिंह (पिता) और नवदीप सिंह (पुत्र) के रूप में हुई है। इनके खिलाफ आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज किया गया था।

जानकारी के अनुसार, एयरपोर्ट स्थित एक लग्जरी होटल में ठहरने के बाद पौने तीन लाख रुपये का बिल चुकाए बिना फरार हुए पिता-पुत्र को दिल्ली की आइजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली के अलॉफ्ट होटल से आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि नवदीप सिंह ने 11 अगस्त, 2021 को होटल में चेकइन किया और बाद में उसके माता-पिता ने भी उसी कमरे में चेकइन किया और 6 सितंबर, 2021 तक वे होटल के उसी कमरे में रहे। परिवार के तीनों सदस्यों ने अलॉफ्ट होटल में ठहरने के दौरान होटल की सभी सुविधाओं का लाभ उठाया। ठहरने, भोजन और अन्य सेवाओं के लिए उनका कुल बिल 3,41,054 रुपये तक था, लेकिन उन्होंने बैंक ट्रांसफर के माध्यम से केवल 60,000 रुपये का ही भुगतान किया। परिवार 2,81,054 रुपये की शेष राशि का भुगतान किए बिना होटल से भाग गया। शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की थी।

एक सूचना पर, नवदीप सिंह और उसके पिता कमलजीत सिंह को 19 जनवरी को दिल्ली के महिपालपुर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया था। आगे की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि नवदीप सिंह आदतन अपराधी है और पंजाब बरनाला पुलिस थाने में दर्ज एक अन्य मामले में भी शामिल है, जिसमें उसने खुद को कनाडा का इमिग्रेशन ऑफिसर बताकर पंजाब में एक परिवार से रंगदारी वसूलने की कोशिश की थी।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने अलग-अलग स्थानों पर किया ध्वजारोहण

नई दिल्ली। आज गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर ध्वजारोहण किया जिसमें आर.ए. गीता सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल, नगर निगम प्राथमिक विद्यालय राजगढ़ कॉलोनी, चांद मोहल्ला, रघुवरपुरा नं. 1 एवं मार्जिनल बंद, न्यू सीलमपुर के कुल 8 विद्यालयों में ध्वजारोहण किया गया। विद्यालय के इंचार्ज यशपाल जी, कीर्ति कुमार, श्रीमती कमलेश गोस्वामी, विपिन मित्तल आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति कविता गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए। निगम प्राथमिक विद्यालय ईस्ट लक्ष्मी मार्केट में ध्वजारोहण के उपरान्त बच्चों को पुरस्कार वितरण भी किया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय कल्याण समिति के सदस्य अमृतपाल सिंह, सुश्री कंचन शर्मा आदि मौजूद रहे। जूम मीटिंग के माध्यम से कई गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे।

महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसलिए सभी शिक्षको से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे व्हाट्सअप व एसएमएस के माध्यम से स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चों को संदेश भेजें कि वे कल होने वाले गणतंत्र दिवस परेड को टीवी पर आवश्य देखें क्योंकि परेड के अन्दर दिखाया जाता है कि हमारे देश की सैन्य शक्ति कितनी बढ़ी है, देश का कितना विकास हुआ है और कौन-कौन से प्रदेश किस कारण से प्रसिद्ध हैं व उनकी विशेषता क्या है? इससे बच्चों का ज्ञान बढ़ेगा तथा उन्हें अपने देश के बारे में जानकारी मिलेगी।

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में स्कूल के बच्चे गूगल-मीट के माध्यम से शामिल हुए तथा नरेश अग्रवाल, सतीष शर्मा, नीरज अग्रवाल आदि भी शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य यशपाल जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बुल्ली बाई केस: नीरज बिश्नोई की जमानत पर सुनवाई टली, दिल्ली पुलिस ने किया याचिका का विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को पटियाला हाउस कोर्ट में बुल्ली बाई ऐप के कथित निर्माता नीरज बिश्नोई की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि जांच अभी बहुत प्रारंभिक चरण में है। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए सरकारी वकील एडवोकेट इरफान अहमद ने कहा कि आरोपी के ट्विटर हैंडल पर सामग्री अपमानजनक थी और आरोपी एक विशेष समुदाय की महिलाओं को निशाना बनाने के लिए सुल्ली और बुल्ली जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहा था।

उन्होंने कहा कि उसने ही वेबसाइट बनाई थी। जांच अधिकारी अभी भी जांच कर रहे हैं और अब तक केवल एक पीड़ित सामने आया है और कई अन्य हैं, जिनका पता लगाना बाकी है।

दलीलों पर गौर करने के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने इस मामले को आगे की बहस के लिए 27 जनवरी के लिए टाल दिया और दिल्ली पुलिस से मामले में नए सिरे से विस्तृत जवाब दाखिल करने को कहा है।

नीरज बिश्नोई की ओर से पेश हुए वकील एल ओझा ने कहा कि मेरे मुवक्किल को एक संदिग्ध के रूप में गिरफ्तार किया गया था। यह एक जमानती अपराध है, लेकिन खुलासे के दौरान, उस पर आईटी अधिनियम की धाराएं लगाई गईं। जो ट्विटर हैंडल अपराध में इस्तेमाल किया गया था, उस पर मेरे क्लाइंट ने किसी भी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल नहीं किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि एफआईआर में धारा 153 लगाई गई है जो सांप्रदायिक सद्भाव के बारे में है। उन्होंने कहा कि शिकायत एक व्यक्ति की है और कोई समूह या समुदाय नहीं है।

गिटहब पर बनाए गए बुल्ली बाई ऐप निर्माता और मुख्य साजिशकर्ता कहे जा रहे 21 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र नीरज बिश्नोई को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट द्वारा 5 जनवरी, 2022 को असम के जोरहाट से गिरफ्तार किया गया था।

इससे पहले, मजिस्ट्रेट कोर्ट ने नीरज बिश्नोई की जमानत याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि आरोपी द्वारा बनाए गए इस ऐप पर सांप्रदायिक रंग वाली आपत्तिजनक सामग्री के साथ मुस्लिम महिलाओं को बदनाम करने का अभियान चलाया गया था।

मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट पंकज शर्मा ने कहा था कि आरोप की व्यापकता और जांच के स्तर को देखते हुए इस स्तर पर जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता है। अदालत ने यह भी गौर किया कि तथ्यों से पता चलता है कि आरोपी ने ÷बुल्ली बाई÷ ऐप बनाया, जहां महिला पत्रकारों और एक विशेष समुदाय की मशहूर हस्तियों को निशाना बनाया जाता था, जो सोशल मीडिया पर प्रसिद्ध हैं। उनका अपमान करने के उद्देश्य से उन्हें एक ऑब्जेक्ट के रूप में गलत तरीके से पेश किया जाता था।

दिल्ली पुलिस ने पहले कहा था कि पूछताछ के दौरान नीरज बिश्नोई ने खुलासा किया है कि ऐप को नवंबर 2021 में बनाया गया था और 21 दिसंबर को अपडेट किया गया था और उसने कहा था कि उसने ऐप के बारे में बात करने के लिए एक और ट्विटर अकाउंट बनाया था।

असंतुष्ट कार्यकताओं को मनाने में जुटे हैं राजनैतिक दल

क्षेत्रीय दलों के अपने अलग समीकरण हैं। वे स्वयं के प्रभाव को भुनाने में लगे हैं। चन्द जिलों में सिमटे ऐसे दल के मठाधीश अपने खास लोगों के साथ मिलकर बडी पार्टियों को करिश्माई जीत के सब्जबाग दिखा रहे हैं ताकि गठबंधन का लाभ मिल सके। यह सब तो पर्दे के पीछे से चल ही रहा है परन्तु दलबदल का तूफान देखकर पार्टियां अपने उम्मीदवारों की सूचियों पर सूचियां जारी करने लगे हैं।

डा. रवीन्द्र अरजरिया

भारत गणराज्य के पांच राज्यों में चुनावी दुंदुभी बज चुकी है। राजनैतिक दलों ने धीरे-धीरे पत्ते खोलने शुरू कर दिये हैं। कार्यकर्ताओं के मन के अनुरूप प्रत्याशी देने की चुनौती लगभग सभी दलों के सामने है। जातिगत समीकरणों से लेकर क्षेत्रीय प्रभावों तक को तौला जा रहा है। सम्प्रदायवाद को भडकाने में लगे लोगों में से जहां ज्यादातर पर्दे के पीछे से आग लगा रहे हैं वहीं ओबैसी जैसे लोग खुलकर अपनों को लाभ देने की घोषणायें कर रहे हैं। पंजाब में तो देश को टुकडों में बांटने का जयघोष करने वाले कन्हैया कुमार और जातिगत राजनीति से सुर्खियों में आये हार्दिक पटेल तक को कांग्रेस ने चुनावी दायित्व सौंप दिये हैं। परिवार के अतीत की दुहाई पर पार्टी ने युवाओं का एकमात्र दल बनकर उभरने की कबायत शुरू कर दी है। बहुजन समाज पार्टी आज भी दलितों के वोटबैंक पर इकलौता अधिकार मानती है। वहीं समाजवादी पार्टी अपने आलाकमान के जातिगत मतों के साथ-साथ मुसलमानों के समर्थन का भी दावा कर रही है। अकाली दल का गणित भी उनकी परम्परागत विचारधारा के पोषण से जुडा दिख रहा है तो आम आदमी पार्टी ने सत्ताधारी दलों के विरोध में विकल्प बनकर स्वयं को प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। हिन्दुत्व के मुद्दे को भुनाने का सूत्र आजमान में जुटी भारतीय जनता पार्टी अपनी केन्द्र सरकार की उपलब्धियां और उत्तर प्रदेश की माफिया विरोधी छवि को उजागर कर रही है। ते ही उन्हें मलाईदार ओहदा देने तथा अन्य लाभों के लालच का मोहपाश फैंका जा रहा है। उत्तर प्रदेश में तो भाजपा ने खासतौर पर योगी की ब्राह्मण विरोधी छवि पर मरहम लगाने हेतु पिछ्ली बार जीते ब्राह्मणों में से ज्यादातर लोगों को पुनः टिकिट दिया है। ऐसा करके काम के आधार पर सम्मान देने की नीति का प्रदर्शन करके कार्यकर्ताओं के बिखराव को रोकने की कोशिश की जा रही है। मगर समाजवादी पार्टी ने योगी के गढ से ही एक दबंग ब्राह्मण नेता को अपने खेमे में शामिल करके खासी चुनौती प्रस्तुत की है। बहुजन समाज पार्टी की खामोशी अन्दर ही अन्दर गुल खिला रही है जिसे भारतीय जनता पार्टी के लिए हितकर कदापि नहीं कहा जा सकता। भाजपा के विरोधी खेमे को अपने झंडे के नीचे एकत्रित करने में जुटी ममता ने पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ गोवा में दस्तक दी थी परन्तु समय के साथ वह एक गुबार ही साबित हुआ। पाकिस्तान के विरुध्द सर्जिकल स्ट्राइक को व्यवहारिक स्वरूप देने वाले मनोहर पर्रिकर के पुत्र उत्पल पर्रिकर ने गोवा में भाजपा से टिकिट न मिलने पर निर्दलीय चुनाव लडने की घोषणा कर दी थी किन्तु अब

मनौती के बाद उनके स्वरों में बदलाव आता जा रहा है। मणिपुर के अपने मुद्दे हैं, लोगों की सोच है, और सीमापार से मिलने वाला लालच है। वहां पर चुनावी घमासान क्षेत्रीयता और सुविधात्मक मुद्दों पर केन्द्रित होकर रह गया है। अधिकारों की सुरक्षा को लेकर भी मणिपुरवासियों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। उत्तराखण्ड में जिस तरह से भाजपा सरकार ने बार-बार नेताओं के दायित्वों में हेरबदल किया, उससे ही पार्टी की घबडाहट सामने आ जाती है। तिस पर इस्लाम छोडकर वसीम रिजवा से जितेन्द्र नारायण त्यागी की पहचान प्राप्त करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी ने देवभूमि की सत्ताधारी भाजपा की हिन्दुवादी विचारधारा की धज्जियां उडा दीं है। ऐसा ही काम छत्तीसगढ की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के इशारे पर बुंदेलखण्ड से गुपचुप ढंग से संत कालीचरण की गिरफ्तारी के दौरान हुआ था। यानी जो काम गांधी के नाम पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को तिलांजलि देते हुए कांग्रेस ने किया था, वही काम भाजपा ने हेट स्पीच के नाम पर किया। भाजपा तो एक कदम आगे ही बढ गई और जितेन्द्र नारायण त्यागी के मुख्य समर्थक यति नरसिंहानन्द को भी सलाखों के पीछे भेज दिया। यह सारा घटना क्रम भी भाजपा की छवि को कहीं न कहीं प्रभावित जरूर करेगा। आज देश का नागरिक धर्म के निजता वाले मुद्दे और जन्म के प्रकृतिजन्य कारकों पर अंध विश्वासी हो गया है। जीवन जीने की पध्दति को धार्मिक मर्यादाओं में बदल दिया गया है। गुरुग्राम में खुले में नमाज पर चिल्ला चोट हो रही है तो कोलकता में नवरात्रि के भगवती जागरण पर हंगामा। जेहाद के नाम पर विकृतियां परोसी जा रहीं है तो प्रतिक्रियात्मक उपायों को व्यवहार में लाया जा रहा है। अतीत की दुहाई पर वर्तमान में जंग छिड रही है और ऐसे में मौका परस्त लोग अपने पौ बारह करने में जुटे हैं। वास्तविकता तो यह है कि आपसी भाईचारे और शांति को राजनैतिक दलों के लालची नेताओं और धर्म के कथित ठेकेदारों ने ही चिंगारियां दिखायीं हैं। सत्ता सुख के काल्पनिक आनन्द के लिए समाज को लडवाने वाले षडयंत्रकारी आज लोगों की मानसिक कुण्ठाओं को कुरेद-कुरेद कर घाव बनाने में जुटे हैं। इतिहास गवाह है कि देश की धरती को बाह्य आक्रान्ताओं ने जमकर लूटा, सुख भोगा और खुलकर की मनमानियां। जबरन धर्म परिवर्तन जैसे कृत्य किये गये। मगर वह सब तो इतिहास के पन्नों में सिमटकर रह गया था। देश के लिए सुभाषचन्द बोस, रामप्रसाद बिस्मिल, चन्द्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह जैसे भारत मां के सपूतों ने जंग छेडी, तब गोरी सरकार ने चाल चलकर फूट डालो, राज करो की नीति अपनाई। इसी चाल की पुनरावृत्ति देश के विभाजन के दौरान भी की गई। जो हुआ सो हुआ। स्वतंत्रता के बाद तो देश की अपनी गंगा-जमुनी संस्कृति की पुनर्स्थापना हेतु संविधान की रचना होना चाहिए थी मगर गुलामी का बोध करने वाली अंग्रेजियत हावी होती चली गई। दुनिया में ऐसे अनेक देश है जिन्होंने गुलामी के बाद स्वयं की पुरातन परम्पराओं और संस्कृति की पुनर्स्थापना की और आज विकास के नये सोपान तय कर रहे हैं। तब के षडयंत्र आज नये रूप में फल-फूल रहे हैं। वही फूट डालो, राज करो का सिध्दान्त आजमाया जा रहा है। हिन्दुओं को मुसलमानों का डर दिखाकर और मुसलमानों को हिन्दु मानसिकता वालों से भयभीत करने का क्रम निरंतर चल रहा है। तिस पर हरामखोरी की डाली जाने वाली आदतें खाज को कोढ बनाने में जुटीं हैं। राजनैतिक लाभ सर्वोपरि हो गया है। मानवीय और सामाजिक मूल्य हासिये पर पहुंच गये है। इन्हें रचनात्मक दिशा देने हेतु कुछ नया और क्रांतिकारी भरे करने की आवश्यकता है जबकि वर्तमान समय में विधानसभा के अन्दर विधायक को अपनी पार्टी लाइन पर ही काम करना होता है। व्यक्तिगत क्षमताओं के आधार पर वह क्षेत्रीय विकास को तो मूर्तरूप दे सकता है परन्तु सामान्य मुद्दों के लिए वह पार्टी के आदेशों का अक्षरशः पालन करने हेतु बाध्य होता है। ऐसे में जल्दी ही कुछ नया मिलने की संभावायें ज्यादा बलवती नहीं है मगर इस बार के चुनाव एक नये रूप मे होते जरूर दिखाई पड रहे हैं। फिलहाल तो असंतुष्ट कार्यकताओं को मनाने में जुटे हैं राजनैतिक दल। ऐसे में चुनावी सर्वेक्षणों के नाम पर एक नया खेला शुरू हो गया है, जो मतदाताओं को प्रभावित करने प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। इस बार बस इतना ही।

सम्पादकीय

अखिलेश की लुकाछुपी से सपा समर्थक हताश

विकास सक्सेना

चंद हफ्ते पहले तक उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में दमदारी से भाजपा का मुकाबला करते दिख रहे सपा मुखिया अखिलेश यादव के असमंजस से उनके समर्थक हैरान हैं। पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया के कई दिन बीतने के बाद भी बगावत के डर से उन्होंने अपने उम्मीदवारों की सूची तक जारी नहीं की थी।

जिन उम्मीदवारों को सीधे टिकट दिया गया उनको चेतावनी दी गई कि वे इसका प्रचार न करें अन्यथा उनके टिकट काट दिए जाएंगे। नई सपा को हिन्दू विरोधी छवि से उबारने के लिए मुस्लिमों से संबंधित मामलों पर मौन साधने वाले अखिलेश यादव अब टिकट वितरण में भी जिस तरह लुकाछुपी का खेल खेल रहे हैं, उससे सपा समर्थक हताश हैं। भाजपा के मुखर वक्ताओं और आक्रामक प्रचार के सामने अखिलेश की छवि असमंजस से घिरे एक भयभीत और निर्णय लेने में असमर्थ नेता की बन रही है।

योगी सरकार की कार्य प्रणाली से नाराज वर्ग के लोगों ने काफी समय से सपा के पक्ष में वातावरण बनाने में पूरी ताकत झोंक रखी थी। भाजपा विरोध की राजनीति करने वाले भी बीते साढ़े चार साल से लगातार अलग अलग मुद्दों को उठाकर सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करने में जुटे थे। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली बार्डर पर चले किसान आंदोलन, कोरोना महामारी के कारण बढ़ी बेरोजगारी, पेट्रोल- डीजल की बेतहाशा बढ़ी कीमतों, गुपचुप तरीके से घरेलू रसोई गैस सिलेण्डर की सब्सिडी लगभग खत्म करके उसकी कीमत एक हजार रुपये तक बढ़ाने से समाज का एक तबका असहज महसूस कर रहा था। उच्च अधिकारियों की मनमानी और उनके अव्यावहारिक आदेशों से कर्मचारियों में आक्रोश लगातार बढ़ रहा था। पुरानी पेंशन दोबारा लागू करने, कैशलेस उपचार, पदोन्नति जैसी तमाम मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मचारियों के प्रति सरकार के उदासीन रवैये से उनमें सरकार के प्रति नाराजगी है। इसके अलावा भव्य राममंदिर निर्माण,काशी विश्वनाथ कॉरीडोर, नागरिकता संशोधन कानून, कश्मीर में धारा 370 निष्प्रभावी करने और तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाने जैसे कदमों से मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा वर्ग सरकार की नीतियों का मुखर विरोध कर रहा है। इन हालत में सपा नेता और कार्यकर्ता उत्साहित थे।

विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले अखिलेश यादव ने प्रदेश के कई जिलों में रथयात्रा निकालकर सपा के पक्ष में माहौल बनाना शुरू कर दिया था। सत्ता से भाजपा को किसी भी कीमत पर बेदखल करने की प्रबल इच्छा रखने वालों को उनमें बड़ी उम्मीद दिखाई दे रही थी। चुनावी समर में भाजपा को पछाड़ने के लिए हर कदम सोच समझ कर आगे बढ़ाया जा रहा था। पार्टी की मुस्लिमपरस्त और हिन्दू विरोधी छवि को साफ करने के लिए सपा के मंचों की प्रथम पंक्ति से मुस्लिम नेताओं को दूर कर दिया गया। धार्मिक टोपी पहने मुस्लिम उलेमा और धर्मगुरुओं की सपा के सर्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थिति नगण्य हो गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों को साफ तौर पर समझा दिया गया कि अगर योगी और मोदी को सत्ता से हटाना है, तो सपा को हिन्दुओं का विश्वास जीतना होगा। हालांकि सपा की इस गोलमोल नीति से और अपनी राजनैतिक उपेक्षा से मुस्लिम नेतृत्व में बेचैनी थी लेकिन फिर भी वे खुलकर इस नीति का विरोध करने से बच रहे थे।

प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद सत्ता के संसाधन का निजी हित में उपयोग का मंसूबा पूरा न होने से खफा इन लोगों का एक धड़ा मौका मिलते ही भाजपा और सरकार के खिलाफ मुखर हो गया। सपा के पक्ष में बन रहे माहौल का लाभ उठाने के लिए वे अखिलेश यादव के खेमे में खड़े हो गए। इसके अलावा विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक जिन नेताओं को भाजपा से टिकट मिलने की उम्मीद नहीं थी, उन्होंने भी सपा का झण्डा थाम लिया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने किसी भी नेता को निराश नहीं किया। इस तरह प्रदेश की लगभग सभी विधानसभा सीटों पर बड़ी संख्या में टिकट के दावेदार सपा में भर्ती हो गए।

सपा में भर्ती होने से पहले अखिलेश यादव से मुलाकात के समय अधिकांश नेताओं ने पार्टी के प्रति निष्ठा, भाजपा को हराने का निस्वार्थ संकल्प और नेतृत्व के प्रति समर्पण का जो वाकजाल बुना वह उसके पीछे छिपे राजनीतिक आडम्बर को समझने में नाकाम रहे। उन्हें लगा कि जो लोग सपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वे भाजपा के शासन से पीड़ित हैं।अखिलेश यादव यह नहीं समझ सके कि जो लोग सपा में शामिल हो रहे हैं, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी न होने के कारण ही वे भाजपा से नाराज हैं। इनमें से तमाम लोग ब्लॉक प्रमुख से लेकर, सहकारी संस्थाओं, गन्ना समितियों, जिला पंचायत अध्यक्ष समेत सभी पदों को अपने परिवार में समेट लेने की चाहत रखते हैं। खुद विधानसभा पहुंचकर सत्ता सुख भोगने की आस में सपा के पाले में खड़े होने वाले नेता किसी दूसरे की पालकी उठाने को तैयार हो जाएंगे, ये कैसे संभव है। यही कारण है कि चुनाव की घोषणा होने के बाद जब टिकट वितरण की बारी आई तो सपा में बगावत का डर सताने लगा। सपा से टिकट न मिलने पर इन बागियों के दूसरे दलों में जाने के भय से अखिलेश यादव नामांकन की अंतिम तिथि से एक दिन पहले तक प्रथम चरण की 58सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों को अन्तिम रूप नहीं दे सके थे। दूसरे चरण की 55सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी, लेकिन अभी तक टिकट मिलने की आस में उम्मीदवार लखनऊ में डेरा डाले हुए हैं।

देश गणतंत्र तो हुआ,स्वाभिमान हेतु सामूहिक प्रयास की आवश्यकता

प्रशान्त त्रिपाठी
(अधिवक्ता-दिल्ली)एवं राष्ट्रीय उप-सचिव मानवाधिकार।

गणतंत्र दिवस हर वर्ष जनवरी महीने की 26 तारीख को पूरे देश में देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत होकर मनाया जाता है। भारत के लोग हर साल 26 जनवरी का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि 26 जनवरी को ही 1950 में भारतीय संविधान को एक लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ भारत देश में लागू किया गया था। कहा जाए तो 26 जनवरी को ही हमारे गणतंत्र का जन्म हुआ। और भारत देश एक गणतांत्रिक देश बना। हमारे देश को आजादी तो 15 अगस्त 1947 को ही मिल गयी थी, लेकिन 26 जनवरी 1950 को भारत एक स्वतंत्र गणराज्य बना और भारत देश में नए संविधान के जरिए कानून का राज स्थापित हुआ। बताते चलें कि भारत में लाहौर अधिवेशन में इस प्रस्ताव की घोषणा की गयी की यदि अंग्रेज सरकार द्वारा 26 जनवरी 1930 तक भारत को डोमीनियम का दर्जा नहीं दिया गया तो भारत को पूर्ण रूप से स्वतंत्र घोषित कर दिया जाएगा। इस बात पर जब ब्रिटिश सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया। तब भारतीय कांग्रेस द्वारा 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज घोषित कर दिया गया। यह अधिवेशन पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में दिसम्बर 1929 में हुआ था।यह दिन उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी याद करने का दिन है, जिन्होंने अंग्रेजों से भारत को आजादी दिलाने के लिए वीरतापूर्ण संघर्ष किया। आज के दिन ही भारत ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की स्थापना के लिए उपनिवेशवाद पर विजय प्राप्त की।

गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में संस्थापित स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारा और सभी भारत के नागरिकों के लिए न्याय के सिद्धांतों को स्मरण और उनको मजबूत करने का एक उचित अवसर है। क्योंकि हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है। अगर देश के नागरिक संविधान में प्रतिष्ठापित बातों को अनुसरण करेंगे तो इससे देश में अधिक लोकतान्त्रिक मूल्यों का उदय होगा। आज के दिन जब देश में पूरे जोश और देशभक्ति के साथ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा होता है, तब कश्मीर सही कुछ स्थानों पर कुछ अलगाववादी तत्व भारतीय संविधान द्वारा भारत के नागरिकों को प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी का दुरूपयोग कर भारतीय संविधान की प्रतियां जला रहे होते हैं। और भारत विरोधी नारे लगा रहे होते हैं। फिर भी केंद्र और राज्य की सरकारें उन पर कोई भी कार्यवाही नहीं करतीं। कहा जाए तो भारत में लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने के लिए सीमा पार के साथ ही साथ देश के आंतरिक स्थानों से जो भी देश विरोधी कृत्य होते रहते हैं। ये ऐसे लोग हैं जो खाते तो भारत का हैं और गाते कहीं और का हैं। आज ऐसे देश और संविधान विरोधी तत्वों पर भारतीय संविधान के दायरे में कड़ी कार्यवाही की जरुरत है।

आज बेशक भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति है। लेकिन आज भी देश काफी पिछड़ा हुआ है। देश में आज भी कन्या जन्म को दुर्भाग्य माना जाता है, और आज भी भारत के रूढ़िवादी समाज में हजारों कन्याओं की भ्रूण में हत्या की जाती है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। सरेआम महिलाओं से छेड़छाड़ और बलात्कार के किस्से भारत देश में आम बात हैं। कई युवा (जिनमें भारी तादात में लड़कियां भी शामिल हैं) एक तरफ जहां हमारे देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। वहीं कई ऐसे युवा भी हैं जो देश को शर्मसार कर रहे हैं। दिनदहाड़े युवतियों का अपहरण, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न कर देश का सिर नीचा कर रहे हैं। हम उस देश के वाशी है जहाँ हमें पैदा होते ही महिलाओं का सम्मान करना सिखाया जाता है पर आज भी विकृत मानसिकता के कई युवा घर से बाहर निकलते ही महिलाओं की इज्जत को तार-तार करने से नहीं चूकते। इस सबके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार शिक्षा का अभाव है। शिक्षा का अधिकार हमें भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के रूप में अनुच्छेद 29-30 के अन्तर्गत दिया गया है। लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में में नारी शिक्षा को सही नहीं माना जाता है। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ भारतीय समाज को भी आगे आना होगा। तभी देश में अशिक्षा जैसे अँधेरे में शिक्षा रुपी दीपक को जलाकर उजाला किया जा सकता है हमें यह भी तय करना होगा कि शिक्षा की क्या प्रासंगिकता है आखिर शिक्षा ग्रहण करने का हेतु केवल मात्र रोज़गार पाना है, क्या इसके अलावा इसका कोई वजूद नही?ये विषय विचार के साथ साथ चिंतन का भी है।

आज भारत देश बेशक एक गणतांत्रिक देश हो, जिसमे संविधान का पालन किया जाता हो, लेकिन आज देश में महिलाओं पर धार्मिक आधार पर तीन तलाक और बहुविवाह के जरिए अन्याय किया जा रहा है। जो कि मुस्लिम महिलाओं के लिए न्यायोचित नहीं है। इसके खिलाफ मुस्लिम समाज की महिलाये काफी तादात में आगे आ रही हैं। यह काबिलेतारीफ है। भारतीय आबादी का बड़ा हिस्सा मुस्लिम समुदाय है, इसलिए नागरिकों का बड़ा हिस्सा और खासकर महिलाओं को निजी कानून की आड़ में पुराने रूढ़िवादी कानूनों और सामाजिक प्रथाओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इक्कीसवीं सदी में समय के साथ मुस्लिम लोगों को भी आधुनिकता का बुरका पहनना होगा। वही पुराने रीति-रिवाजों और कानूनों का बुरका ओढ़े रहे तो हम पिछड़ जाएगें। अगर हमें आगे बढ़ना है तो पुरुषों और महिलाओं के समान अधिकारों की बात करनी होगी और अपने समुदाय में समानता लानी होगी।

भले देश गणराज्य सालों पहले बन गया हो। लेकिन इतने सालों के बाद आज भी देश में धर्म, जाति,पाती,भाषा-बोली,क्षेत्र-सीमा,अमीरी गरीबी के आधार पर भेदभाव आम बात है। लोग आज भी जाति के आधार पर ऊंच-नीच की भावना रखते हैं। आज भी लोगों में सामंतवादी विचारधारा घर करी हुयी है और कुछ अमीर लोग आज भी समझते हैं कि अच्छे कपडे पहनना,अच्छे घर में रहना,अच्छी शिक्षा प्राप्त करना और आर्थिक विकास पर सिर्फ उनका ही जन्मशिद्ध अधिकार है। इसके लिए जरूरत है कि देश में संविधान द्वारा प्रदत्त शिक्षा के अधिकार के जरिए लोगों में जागरूकता लायी जाये। जिससे कि देश में धर्म, जाति, अमीरी-गरीबी और लिंग के आधार पर भेदभाव न हो सके।

भारत में संविधान लागू हुए बेशक 72 साल के करीब होने आये, लेकिन अब भी भारत देश में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने की उम्र में काम करते दिख जाते हैं। आज बाल मजदूरी समाज पर कलंक है। इसके खात्मे के लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही साथ बाल मजदूरी पर पूर्णतया रोक लगनी चाहिए। बच्चों के उत्थान और उनके अधिकारों के लिए अनेक योजनाओं का प्रारंभ किया जाना चाहिए। जिससे बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव दिखे।शिक्षा का अधिकार भी सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। गरीबी दूर करने वाले सभी व्यवहारिक उपाय उपयोग में लाए जाने चाहिए। बालश्रम की समस्या का समाधान तभी होगा जब हर बच्चे के पास उसका अधिकार पहुँच जाएगा। इसके लिए जो बच्चे अपने अधिकारों से वंचित हैं, उनके अधिकार उनको दिलाने के लिये समाज और देश को सामूहिक प्रयास करने होंगे। आज देष के प्रत्येक नागरिक को बाल मजदूरी का उन्मूलन करने की जरुरत है। और देश के किसी भी हिस्से में कोई भी बच्चा बाल श्रमिक दिखे, तो देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह बाल मजदूरी का विरोध करे। और इस दिशा में उचित कार्यवाही करें साथ ही साथ उनके अधिकार दिलाने के प्रयास करें।

भारत देश में कानून बनाने का अधिकार केवल भारतीय लोकतंत्र के मंदिर भारतीय संसद को दिया गया है। जब भी भारत में कोई नया कानून बनता है तो वो संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) से पास होकर राष्ट्रपति के पास जाता है। जब राष्ट्रपति उस कानून पर बिना आपत्ति किये हुए हस्ताक्षर करता है तो वो देश का कानून बन जाता है। लेकिन आज देश के लिए कानून बनाने वाली भारतीय लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था भारतीय संसद की हालत दयनीय है। जो लोग संसद के दोनों सदनों में प्रतिनिधि बनकर जाते हैं, वो लोग ही आज संसद को बंधक बनाये हुए हैं। जब भी संसद सत्र चालू होता है तो संसद सदस्यों द्वारा चर्चा करने की बजाय हंगामा किया जाता है और देश की जनता के पैसों पर हर तरह की सुविधा पाने वाले संसद सदस्य देश के भले के लिए काम करने की जगह संसद को कुश्ती का मैदान बना देते हैं। जिसमें पहलवानी के दांवपेचों की जगह आरोप प्रत्यारोप और अभद्र भाषा के दांवपेंच खेले जाते हैं। जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरुरत है कि देश के लिए कानून बनाने वाले संसद सदस्यों के लिए एक कठोर कानून बनना चाहिए। जिसमे कड़े प्रावधान होने चाहिए। जिससे कि संसद सदस्य संसद में हंगामा खड़ा करने की जगह देश की भलाई के लिए अपना योगदान दें।

भारत देश में कानून का राज स्थापित हुये बेशक कई दशक हो गए हों लेकिन आज भी देश के बहुत लोग अपने आप को कानून से बढ़कर समझते हैं। ना ना प्रकार प्रकार के अपराध हमारे आस-पड़ोस में फल फूल रहे हैं। आज जरूरत है भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त कानूनों का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए साथ ही साथ कड़ाई से उनका पालन करने की भी आवश्यकता है। जिससे की समाज और देश में फैले अपराधों पर रोक लग सके। इसके साथ-साथ भारतीय संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों को जन-जन तक सरकार को पहुँचाना चाहिए। इन मौलिक अधिकारों को देश के आखिरी आदमी तक पहुँचाने के लिए सरकार के साथ-साथ भारतीय समाज की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। तभी भारत देश रूढ़िवादी सोच से मुक्ति पा सकता है।

गणतंत्र दिवस प्रसन्नता का दिवस है इस दिन सभी भारतीय नागरिकों को मिलकर अपने लोकतंत्र की उपलब्धियों का उत्सव मनाना चाहिए और एक शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि भारत देश सदियों से अपने त्याग, बलिदान, भक्ति, शिष्टता, शालीनता, उदारता, ईमानदारी, और श्रमशीलता के लिए जाना जाता है। तभी सारी दुनिया ये जानती और मानती है कि भारत भूमि जैसी और कोई भूमि नहीं, आज भारत एक विविध, बहुभाषी, और बहु-जातीय समाज है। जिसका विश्व में एक अहम स्थान है। आज का दिन अपने वीर जवानों को भी नमन करने का दिन है जो कि हर तरह के हालातों में सीमा पर रहकर सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित महसूस कराते हैं। साथ-साथ उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करने का भी दिन हैं, जिन्होंने हमारे देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई। आज 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान और गणतंत्र के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरानी चाहिए और देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामूहिक रूप से सामना करने का प्रण लेना चाहिए। साथ-साथ देश में शिक्षा, समानता, सदभाव, पारदर्शिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। जिससे कि देश प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

अब तक यदि हम पीछे पलटकर देखें तो भारत ने हर क्षेत्र में उन्नति की है चाहे वह शिक्षा हो, चिकित्सा हो, उद्योग हो, विज्ञान हो, सुरक्षा हो या कोई भी क्षेत्र, हमारी विकास की कहानी सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। हां एक बात अवश्य है कि इसके लिए कोई भी दल जब श्रेय लेने या दूसरे के काम में कमी निकालने पर आमादा हो जाता है तो वह दृश्य बड़ा ही वीभत्स एवं अमानवीय लगता है। जनता पूरे विश्वास के साथ अपने नेताओं को चुनती ही इस उम्मीद के साथ है कि वे देश की प्रगति में योगदान देंगे साथ ही उनके लिए भी कुछ सकारात्मक करेंगे।लेकिन न जाने क्यों राजनीति उसे सदा ही अहसान की तरह परोसती आई है। दुनिया के सामने हमारी प्रगति तो बहुत हुई है और इस हद तक हुई है कि हम अपनी भारतीयता पर गर्व कर नित इस धरती का माथा चूम सकते हैं।दुःख यह है कि एक तरफ़ जहां हम भौतिक विकास यात्रा की ओर बढ़ते जा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर हमारी मानसिकता अत्यंत ही दूषित हो चुकी है।जिस स्वतंत्रता ने हमें पंख दिए और बांहें फैलाए आसमान तक पहुंचने की उड़ान भरने का हौसला दिया,हमने उससे दूसरों को घायल करना पहले सीख लिया।

हम अपनी लक़ीर बड़ी करने के स्थान पर दूसरों की छोटी करने और उसे मिटाने पर अधिक जोर देने लगे हैं।हमने इतिहास को पढ़ तो लिया पर उसे ठीक से समझा नहीं और न ही उसकी गलतियों से कोई सीख ही ली।यही दशा(दु) कट्टरपंथियों की भी है। जो समय के साथ आगे बढ़ना ही नहीं चाहते।इन्हें हर बात पर आग उगलना आता है।भले ही उसकी लपेट में मानवता त्राहिमाम कर उठे।

हमें विचार करना होगा कि,

1. अभिव्यक्ति के नाम पर हम कहीं अपने ही अधिकारों का दुरूपयोग तो नहीं करने लगे हैं?

2. कहीं हम स्वयं ही अपने देश की प्रगति में रोड़ा तो नहीं बनते जा रहे?

3. दुनिया के समक्ष देश की तस्वीर को कहीं हमारे कुकृत्य ही तो बदरंग नहीं कर रहे?

4. कहीं हमसे जाने-अनजाने में ऐसा कुछ तो लिखा-कहा नहीं जा रहां जिस पर हमारी पीढ़ियां भी शर्मिंदा हों?

5. देश की उन्नति के स्वप्न को मन में सँजोए कहीं हम अपने कर्तव्य-पथ से भटक तो नहीं रहे हैं?

यदि इस सब का उत्तर 'न' है तो हमें न केवल हमारी स्वतंत्रता के मूल्यों का ज्ञान है बल्कि हम दूसरों का भी मार्गदर्शन कर सकते हैं. करना ही होगा! इस पावन मातृभूमि के अनगिनत वीरों के त्याग और बलिदान से मिली स्वतंत्रता अमूल्य है, इसे हम किसी भी नासमझी से जाया नहीं होने दे सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस के इस पावन पर्व पर आइये हम सब प्रण लें कि हमें स्वतंत्रता मिले-

- उन विचारों से जो हमारी भावनाओं को हिंसक बनाने की कुचेष्टा करते हैं।
- अधिकारों की उस मांग से जो अपने कर्तव्य भुला देश की संपत्ति को नष्ट करने पर आमादा है।
- उस सोच से जो हमारी संस्कृति और सभ्यता को अपमानित करने से नहीं चूकती।
- उस अंधभक्ति से जहां धर्म की आड़ में हजारों युवाओं के मन मस्तिष्क में ज़हर भरा जा रहा है।
- उस भेदभाव से जहां हजारों निर्धन और विवश इंसानों की मृत्यु से किसी को अंतर नहीं पड़ता,उनकी चर्चा नहीं होती।उन्हें उनके हिस्से का सम्मान तक नहीं मिलता।उनके जीवन का मोल बस एक निश्चित धनराशि तय कर दिया गया है।
- जहां पैसा ही रिश्तों की धुरी बन जाता है और भावनाओं की क़द्र नहीं होती।
- जहां स्वार्थसिद्धि के लिए झूठ और मनगढ़ंत आरोप का सहारा ले किसी को मृत्यु द्वार तक पहुंचा नित झूठी कहानियां गढ़ी जाती हैं।

जहां स्त्रियों के प्रति हुए अपराध में दोषी को पकड़ने के पहले स्त्रियों की ही गलती ढूंढी जाती है।उनके वस्त्रों की चर्चा होती है।चरित्र हनन किया जाता है।

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर देश को ही दुनिया के सामने उछाला जाता है।
- जहां प्रेम से कहीं अधिक घृणा, ईर्ष्या और वैमनस्यता के भावों को खाद पानी दिया जाता है।
- जहां बच्चों के कोमल हृदय में भय भर दिया गया है।उनके बचपन पर तमाम बोझ लाद दिया जाता है और उन्हें खिलने नहीं दिया जाता।
- राजनीति के उस छिछले दरिया से जिसके लिए जनता एक प्यादा भर है।

उन नेताओं से जो अपने लिए सम्मान की अपेक्षा रखते हुए नित दूसरों को अपमानित करने का एक भी मौक़ा नहीं छोड़ते।

- उस मानसिकता से जिसने हमारी आंखों पर पट्टी बांध नेताओं को हमारा ख़ुदा बना दिया।

समाज को भ्रमजाल में लपेटने के लिए बने उन समस्त फर्जी एकाउंट्स से जो झूठ के पहाड़ पर खड़े हो सच का थोथा आह्वान करते हैं।

हम मानते हैं कि प्रत्येक नागरिक को शिक्षा चाहिए, रोज़गार चाहिए और सम्मान से जीने का हक़ भी लेकिन हमें उस दिन की भी प्रतीक्षा है; जब हमारे भारत का निर्धन, अशिक्षित, शोषित, पीड़ित और बेरोज़गार वर्ग भी पूरी शक्ति के साथ स्वयं की उन्नति हेतु हर संभव प्रयास करे।इस प्रक्रिया में आरोप-प्रत्यारोप की कीचड़ से अपने-आप को दूर रख न केवल सरकार बल्कि प्रत्येक भारतवासी उनके साथ हो और हम सब हृदय से यह भाव महसूस कर पूरे जोशोल्लास के साथ सम्पूर्ण विश्व के सामने यह नारा गुंजायमान कर दें कि भारत हमको जान से प्यारा है, सबसे प्यारा हिन्दोस्तां हमारा है!

इस जन्मभूमि पर सौ-सौ जीवन. क़ुर्बान शहीदों को नमन करते हुए, स्वतंत्रता की एक और सुबह हम सबको मुबारक जय

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

खोई हुई किशोरी को तलाश कर पुलिस ने सकुशल उसके परिजनों को सौंपा

संवाददाता

स्योहारा। स्थानीय पुलिस लगातार नगर व क्षेत्र की जनता के लिए सराहनीय कार्य कर रही है इसी क्रम में शहाना पत्नी शबाब आलम निवासी तेलीपुरा थाना नूरपुर जो उपनिरीक्षक मीनाक्षी गुप्ता व हल्का प्रभारी उपनिरीक्षक सुभाष बालियान ने संज्ञान लेते हुए उसकी खोई हुई पुत्री को तलाश के काफी प्रयास करने के बाद नगर के रेलवे फाटक से ढूंढ कर बच्ची की माँ शहाना के सुपुर्द कर दिया है अपनी पुत्री को

अपनी बेटी जेनब पुत्री शबाब आलम के साथ थाना स्योहारा आई हुई थी। स्योहारा में उसकी पुत्री जेनब उससे बिछड़ गई थी जिसकी सूचना परिजनों द्वारा स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना पर मिशन शक्ति प्रभारी सकुशल पाकर बच्चे के माँ-बाप ने पुलिस को ढेर सारी दुआएं दी आज स्थानीय पुलिस की मदद से मेरी पुत्री हमारे साथ है उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए मतदाताओं को जागरूक करना जरूरी : मंडलायुक्त

सहारनपुर। मण्डलायुक्त लोकेश एम. ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कार्यालय में कार्यरत सभी लोगों को मतदान करने की शपथ दिलाई। हम, भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक पर पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए।

भाजपा विधायक सत्यवीर त्यागी का जनसंपर्क अभियान

मेरठ,रजपुरा, किठौर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी वर्तमान विधायक सत्यवीर त्यागी ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र के रजपुरा ब्लाक में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क अभियान क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों आम्हैडा आदिपुर,मामेपुर ,ललसाना, उल्देपुर, सिखेड़ा, बहचौला ,रजपुरा , भूडपुर, सलारपुर सहित अन्य ग्राम पंचायतों में बैठक व जनसंपर्क किया। भाजपा वर्तमान विधायक एवं आगामी विधानसभा चुनाव प्रत्याशी किठौर विधानसभा सत्यवीर त्यागी ने बैठक में कहा की किठौर क्षेत्र की जनता फैसला लेगी की उन्हें सपा सरकार के माफिया अपराधियों या गौतस्कर का साथ चाहिए या भाजपा का रामराज, सत्यवीर त्यागी ने उपस्थित जनता को बताया कि पूर्व की सपा सरकार में पशुओं की चोरी ,किसानों के ट्यूबवेल के मोटर चोरी ,माता-बहनों के सात अराजकता ,छेड़छाड़ की खबरें रोजाना अखबारों में प्रकाशित होती थी। लेकिन अब स्थिति बदली है, अब भाजपा शासन में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है । जिस कारण क्षेत्र के माफिया ,गुंडे ,अपराधी तत्व अब जेल की सलाखों के पीछे हैं। भाजपा शासन में ऐसा दिखाई पड़ता है, मानो रामराज हो । संपूर्ण उत्तर प्रदेश की जनता फिर से योगी सरकार का लक्ष्य 350 पार पूरी करती नजर आ रही है। उन्होंने इस दौरान अपने द्वारा कराए गए किठौर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों को भी जनता के समक्ष रखा । सभा में उपस्थित ग्रामों के सम्मानित बुजुर्गों को शॉल उढ़ाकर उनका आशीर्वाद लिया। तथा सभी से आने वाली 10 फरवरी के दिन ज्यादा से ज्यादा भाजपा को वोट देने की अपील की, साथ ही साथ ग्राम पंचायत में करोना वैक्सीन के डोज की कैंप व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को कहा। जनसंपर्क में साथ रहे बृजेश चौहान (मंडल अध्यक्ष),गीता चौधरी (महिला मोर्चा),दुष्यंत तोमर, हनी गुप्ता मसूरी ,राहुल पाल, अंकुर पबला, अरुण चौधरी (सदस्य जिला पंचायत),मोनू चौधरी कुनकुरा, भूदेव शर्मा (सदस्य जिला पंचायत),योगिंदर चेयरमैन खरदौनी ,रोबिन सिवाच आम्हैडा,रोबिन गुज्जर ,भंवर सिंह तोमर ,ऋषि त्यागी बिजौली (सदस्य जिला पंचायत), कालू बिजौली, सौरभ त्यागी, अंकित त्यागी (जिला महामंत्री, युवा वाहिनी भाजपा) एवं देवतुल्य कार्यकर्ता आदि।

किसानों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

नजीबाबाद । नजीबाबाद भारतीय किसान यूनियन जनशक्ति के जिलाध्यक्ष नर पाल सिं राणा के नेतृत्व में सभी किसान जनशक्ति के कार्यकर्ताओं वह नेताओं ने तहसील प्रांगण में आकर धरना प्रदर्शन कर एक ज्ञापन माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम उप जिला अधिकारी को दिया जिसमें उन्होंने मांग की समस्त गन्ना भुगतान ब्याज सहित अभिलंब कराया जाए बिजली बकाया दार किसानों का अनाधिकृत उत्पीड़न ना किया जाए स्वामीनाथन की रिपोर्ट लागू की जाए किसानों पर बैंकों का संपूर्ण कर्ज माफ कराया जाए किसानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति कराई जाए किसानों को सम्मान निधि योजना के अंतर्गत ?6000 की बढ़ाकर ?20000 प्रतिवर्ष की जाए मंडी कारण की व्यवस्था उत्तर प्रदेश में लागू की जाए नजीबाबाद शुगर मिल की क्षमता 25000 से बढ़ाकर 75000

प्रतिदिन की जाए इस अवसर पर किसान कार्यकर्ता वह पदाधिकारी उपस्थित रहे जिला अध्यक् नर पाल सिंह राणा जिला कोषाध्यक्ष कुलदीप सिंह जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह जिला सचिव नसीम भाई जिला महिला प्रकोष्ठ गुलशन उस्मान भाई तौकीर भाई शहीद भाई मोटा भाई सुशील कुमार गाजीपुर कुतुब वकीला बोरे की सदस्य उपस्थित रहे।

अलीगढ़ के आठ पुलिसकर्मियों को डीजीपी के प्रशंसा चिह्न से सम्मानित किया जाएगा

अलीगढ़। गणतंत्र दिवस के मौके पर बुधवार को अलीगढ़ के आठ पुलिसकर्मियों डीजीपी के प्रशंसा चिह्न से सम्मानित किया जाएगा। इनमें चार सिल्वर मेडल, दो उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिह्न शामिल हैं। वहीं आठ में से सात पुलिसकर्मी पीएसी वाहिनी के हैं। मंगलवार को जारी हुई सूची में प्रदेश के 763 पुलिसकर्मियों को सम्मान दिया गया है। इसमें अलीगढ़ के कुल आठ पुलिसकर्मी हैं। इनमें सिविल पुलिस में जिले से थाना पालीमुकीमपुर के प्रभारी रामवकील सिंह को उत्कृष्ट सेवा सम्मान से नवाजा गया है।

पुलिसकर्मियों को पुलिस महानिदेशक प्रसंशा चिह्न से किया सम्मानित

कासगंज। आगामी गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा जनपद में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों के लिये प्रसंशा चिन्हों की घोषणा की गयी है, जिनमें पुलिस अधीक्षक कासगंज सहित क्षेत्राधिकारी पटियाली व अन्य 12 पुलिसकर्मियों को प्लेटिनम, गोल्ड, व सिल्वर मेडल प्रदान किये गए हैं।

पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री रोहन प्रमोद बोत्रे एवं अन्य पुलिस कर्मियों को जनपद कासगंज एवं जनपद गौतमबुद्धनगर (नोएडा) से संबंधित 4 हत्याओं के खुलासे व जनपद कासगंज में पुलिसकर्मियों से इंसास लूट का पर्दाफाश करने में मेडल प्रदान किये गए हैं ।

डीजीपी प्रसंशा चिन्ह से पुरुस्कृत हुए पुलिसकर्मियों के विवरण : पुलिस अधीक्षक श्री रोहन प्रमोद बोत्रे - गोल्ड मेडल, क्षेत्राधिकारी पटियाली श्री ऋच तिवारी - सिल्वर मेडल, निरीक्षक श्री छोटेलाल - प्लेटिनम मेडल, उप निरीक्षक श्री मुकेश कुमार - सिल्वर, उप निरीक्षक श्री सतपाल भाटी - गोल्ड मेडल, मुख्य आरक्षी श्री अवधेश कुमार- सिल्वर मेडल, मुख्य आरक्षी श्री हिरदेश कुमार - सिल्वर मेडल, मुख्य आरक्षी श्री सुधीर कुमार- सिल्वर मेडल, मुख्य आरक्षी श्री अश्वनी कुमार - सिल्वर मेडल, मुख्य आरक्षी श्री अवन कुमार - सिल्वर मेडल, मुख्य आरक्षी श्री आशुतोष त्रिपाठी - सिल्वर मेडल, मुख्य आरक्षी श्री प्रेमपाल सिंह - सिल्वर मेडल।

प्रक्ष जादौन ने राष्ट्रीय आइस स्टॉक में जीता कांस्य पदक

कासगंज। गुलमर्ग में आयोजित राष्ट्रीय विंटर गेम्स मैं आयोजित आइस प्रतियोगिता में 22 राज्यों के ढाई सौ प्रतियोगियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में ही आई स्टॉक टीम इवेंट सीनियर वर्ग में उत्तर प्रदेश की टीम ने कांस्य पदक जीता। जिसमें सबसे ज्यादा 10 अंक अर्जित करते हुए प्रक्ष सिंह जादौन ने अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसी बढ़त के कारण उत्तर प्रदेश की टीम ने राष्ट्रीय आईस्टॉक प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। टीम के अन्य सदस्य आगरा के रोहन सिंह, सिद्धांत व इंद्रेश थे। उत्तर प्रदेश की आईस्टॉक टीम ने अपने सबसे पहले मैच में आंध्र प्रदेश को 7-2 से पराजित किया। उसके बाद प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश की टीम ने मध्य प्रदेश को 10-0 से पराजित किया। वही उत्तर प्रदेश टीम ने क्वार्टर फाइनल में लद्दाख को 8-2 से

पराजित किया। सेमीफाइनल मैच में उत्तर प्रदेश की टीम बिहार से 8-7 से हारी। प्रक्ष सिंह जादौन की इस उपलब्धि पर कासगंज शहर के डॉ वीके तोमर, डॉ अंजना वशिष्ठ, डॉ मिथिलेश वर्मा, डॉ बाबू सिंह यादव, कबीर प्रताप सिंह, विजय चौहान वृक्ष की मम्मी सरिता सिंह, लक्ष्य के पापा डॉ प्रवीण सिंह जादौन आदि ने शुभकामनाएं दी।

जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ की गोष्ठी

कासगंज

मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री रोहन प्रमोद बोत्रे द्वारा जनपद में आगामी विधानसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराए जाने एवं 26 जनवरी 2022 (गणतंत्र दिवस पर) शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ गोष्ठी की गई।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा निर्देश दिए गए कि सभी क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारी अपने-अपने सर्किल/थाना क्षेत्रों में गड़बड़ी पैदा करने वाले अराजक तत्वों की सूची बना लें तथा उनके विरुद्ध सतर्क दृष्टि रखते हुए प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही करें। साथ ही सोशल मीडिया (ट्विटर फेसबुक व्हाट्सएप आदि) पर भी सतर्क दृष्टि रखें तथा आपत्तिजनक एवं द्वेष भावनापूर्ण पोस्ट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

इसी के साथ ही जनपद में अवैध शराब बनाने व बेचने वालों, अवैध शस्त्र फैक्ट्री निर्माताओं को भी चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री अनिल कुमार एवं जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया विस चुनाव में नामांकन किए जाने हेतु बने नामांकन स्थल का निरीक्षण

परखी सुरक्षा व्यवस्था, सभी अधीनस्थों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कासगंज । मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री रोहन प्रमोद बोत्रे द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव हेतु नामांकन पत्र भरने एवं दाखिल करने हेतु कलेक्ट्रेट परिसर में बनाए गए नामांकन स्थल का निरीक्षण/भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को चेक करने के पश्चात सभी अधीनस्थों को मा. निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों (गाइड लाइन) का कड़ाई से अनुपालन कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मतदान करने की दिलाई शपथ

कासगंज। मंगलवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री रोहन प्रमोद बोत्रे द्वारा पुलिस कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मियों को क्षेत्र एवं जातीयता की भावना से ऊपर उठकर निष्पक्ष तरीके से मतदान करने की शपथ दिलाई गई, इसके साथ ही सभी पुलिसकर्मियों से आमजनमानस को मतदान का मूल्य समझाने व मताधिकार का उपयोग करने में जागरूक करने हेतु अपील की गई।

छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन निष्पक्ष निर्वाचन की शपथ ली

अलीगढ़। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर इगलास क्षेत्र के विद्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों के साथ ही छात्र-छात्राओं ने आनलाइन निष्पक्ष निर्वाचन की शपथ ली। इस दौरान बताया गया कि एक वोट की कीमत अहम है। एक एक वोट से ही चमत्कार हो जाता है।

कस्बा के श्री शिवदान सिंह इंटर कालेज में प्रधानाचार्या केपी सिंह ने शपथ दिलाई कि हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपने पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे। स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन की गरिमा को अक्षूण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा व अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस मौके पर कुलदीप सक्सेना, लक्ष्मी नारायण, अजय कुमार शर्मा, मुकेश शर्मा, प्रमोद कुमार, लाखन सिंह, आदित्यपाल, राकेश कुमार, भानुप्रताप, अजीत, दमोदर सिंह, मंजू सिंह, ज्योति सिंह, अनिल बंसल, अंकित चौधरी, योगेंद्र सिंह आदि थे। वहीं क्षेत्र के गांव कजरोठ स्थित राजकीय बालिका इंटर कालेज में मतदाता दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान लोकतंत्र में आस्था रखने व निष्पक्ष निर्वाचन की सभी ने शपथ ली। इसमें किसी भी जाति, धर्म, वर्ग, समुदाय भाषा की एकता को बनाए रखते हुए शपथ का आयोजन किया गया।

इस मौके पर प्रधानाचार्या रेनू बाला एवं समस्त शिक्षिकाए सम्मलित हुई। विद्यालय स्तर पर आनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें निबंधन, स्लोगन, पेंटिंग आदि को सम्मलित किया गया। छात्राओं ने पेंटिंग बनाकर आनलाइन प्रस्तुति दी। जिसमें पेंटिंग पर उन्होंने मतदान है आपका अधिकार, क्योंकि है ये लोकतंत्र की जान, आ गया मतदान का त्यौहार, अबकी बार किसकी सरकार, छोड़े ना अपना अधिकार आदि स्लोगन लिखे। प्रतियोगिता में छात्रा ज्योति, शिवानी, मोना, मुस्कान, फिज़ा, अंजली, गौरी आदि ने भाग लिया।

बालिका दिवस पर लिया बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प

अलीगढ़। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार जनपद अलीगढ में संचालित जन शिक्षण संस्थान अलीगढ़ द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के मोके पर सशक्तिकरण विषय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ कार्यक्रम में ग्राम प्रधान जी के दुरा की गई। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र खेरिया खुर्द मथुरा रोड पर किया गया। जिसमे ग्राम प्रधान जी ने बताया कि देश में बालिकाओ को आत्मनिर्भर बनाना हर किसी की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस दौरान बालिका शिक्षा, उमकी परवरिश आदि से जुड़े विषयों पर अभी चर्चा हुई। कार्यक्रम में 60 प्रशिक्षार्थियों के साथ स्थानीय महिला पुरुषों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की जय के नारे से की गयी। कार्यक्रम मे निर्देशक जयपाल सिंह, कार्यक्रम अधिकारी तेजवीर सिंह, मीनाक्षी यादव सहायक कार्यक्रम अधिकारी, ग्राम प्रधान नागेन्द्र कुमार, अनुदेशिका लक्ष्मी देवी, राधा स्थानीय व्यक्ति आदि उपस्थित रहे।

लोकतंत्र का भाग्यविधाता जागरूक मतदाता होता है : डीडीओ

अलीगढ़। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विकास भवन के गांधी सभागार में जिला विकास अधिकारी भरत कुमार मिश्र द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने नए मतदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए सभी मतदाताओं को अपने मत के प्रयोग करने के लिए अपील की साथ ही उन्होंने कहा कि 'लोकतंत्र का भाग्य विधाता जागरूक मतदाता' होता है, मतदान करना मौलिक अधिकार है जो समाज एवं राष्ट्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारी का बोध कराता है साथ ही उन्होंने युवा मतदाताओं से कहा कि युवा किसी भी देश, समाज के बदलाव के वाहक होते हैं, वह अन्य मतदाता को मतदान करने के लिए भी प्रेरित करें और दूसरे व्यक्ति को भी देश के चहुंमुखी विकास के लिए मतदान करना जरूरी है जिससे आप अपने अनुसार शासन के लिए व्यक्ति का चुनाव कर सकें आपको किस तरह की सरकार का चुनाव करना है यह केवल मतदाता के मतदान के प्रयोग पर निर्भर करता है।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रेयस कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी बीपी सत्यार्थी, जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) संध्या रानी बघेल समेत अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने लूट की नगदी व प्रयुक्त बाइक समेत दो अभियुक्त भेजे जेल

अलीगढ़। थाना खैर पुलिस ने दो अभियुक्त को लूट के रुपये, अवैध तमंचा व कारतूस सहित रिगफ्तार करके जेल भेजा है। थाना खैर पुलिस टीम ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए मंगलवार को वांछित अभियुक्त विपिन उर्फ कान्हा पुत्र रामपाल सिंह निवासी ग्राम खेडिया बुर्जुग थाना खैर जनपद अलीगढ़ और सूरज पुत्र स्व प्रेमपाल सिंह निवासी ग्राम खेडिया वुर्जुग थाना खैर जनपद अलीगढ़ को कंचन फार्महाउस से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिनके कब्जे से लूट के 1100 रुपये 01 तमंचा 315 बोर 01 कारतूस 315 बोर सहित घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल पल्सर रंग काला नं. यूपी 81 यू 0965 बरामद हुई। अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि हमने मिलकर 01 सैमसंग मोवाइल फोन लूटा था जिसे हम दोनों ने बेच दिया था उसमें से 1100 रुपये ही बचे हैं, शेष रुपये खर्च कर दिये।

वंदे भारत सामाजिक संस्था ने बांटे मास्क व सैनेटाइजर

अलीगढ़

वंदे भारत सामाजिक संस्था अलीगढ़ द्वारा कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आज जनता को कोरोना महामारी के प्रति जागरूक किया गया व गांधी पार्क बस अड्डे पर मास्क व सैनेटाइजर वितरण का कार्य किया गया।

उद्योग व्यापार संगठन के प्रकारी श्री अनुराग गुप्ता ने पूर्ण सहयोग किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, महामंत्री नीरज प्रजापति ने कहा कि इस कोरोना महमारी में दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी है कर लोगों को जागरूक रहने का संदेश दिया। वन्दे भारत के प्रदेश महामंत्री श्री गाविन्द सिंह रावत ने कहा कि कोरोना महमारी से बचने के लिये किसी भी भीड़भाड़ वाली जगह न जाऐं अगर जरूरी हो तभी घर से निकलें और सेनेटाइज व मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से हाथ धोएं और अपने आपको सेनेटाइज करते रहें। इस अवसर पर हिमाशु गुप्ता, तरून अग्रवाल, मंयक बंसल, समीप वार्ष्णेय, भगवान दास, बंटी सिंह, चेतन माहौर, सौरभ माहेश्वरी, मोहित वार्ष्णेय, मो. अनीस, मो. आसिफ आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संदीप गुप्ता की हत्याकांड के मुख्य आरोपी अंकुश अग्रवाल व साहिल यादव गिरफ्तार

अलीगढ़। थाना सिविल लाइन पुलिस ने व्यापारी संदीप गुप्ता की हत्या के मामले में के हत्या के वांछित अभियुक्त अंकुश अग्रवाल और साहिल यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों पर एक-एक लाख का इनाम रखा था।

ज्ञात हो कि 27 दिसंबर 2021 को संदीप गुप्ता की हत्या के मामले में पुलिस की गठित टीमों द्वारा अब तक 8 लोगो को जेल भेजा जा चुका है और शेष बचे वांछित अभियुक्त अंकुश अग्रवाल पुत्र राजीव अग्रवाल निवासी 137 सत्य साई विहार कॉलोनी, सरसौल थाना बन्नादेवी और साहिल यादव पुत्र प्रमोद यादव निवासी वसंत विहार कॉलोनी, जीटी रोड थाना महुआखेड़ा पर अपर पुलिस महा निदेशक आगरा जोन आगरा द्वारा 22 जनवरी 2022 को एक-एक लाख का इनाम घोषित' किया जा चुका था।वांछित अभियुक्त साहिल यादव के विरुद्ध मा. न्यायालय से धारा 82 का नोटिस जारी किया जा चुका था।

'पुष्पा' की श्रीवल्ली यानी रश्मिका मंदाना पर भड़के यूजर्स, कहा- इतने पैसे कमाने का क्या फायदा, दिल से गरीब हैं

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पाः द राइज़' के साथ ही इस फिल्म की लीड ऐक्ट्रेस रश्मिका मंदाना यानी श्रीवल्ली भी खूब चर्चा में हैं। साउथ के साथ-साथ हिन्दी बेल्ट के फैन्स भी उन सितारों पर अपना दिल छिड़क रहे हैं। रश्मिका मंदाना बीती रात करण जौहर से मिलने पहुंचीं, लेकिन वहां से निकलते हुए जो कुछ हुआ वह कुछ फैन्स को पसंद नहीं आया। अब सोशल मीडिया यूजर्स रश्मिका मंदाना को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करने से खुद को रोक नहीं पा रहे।

हुआ यूं कि रश्मिका मंदाना को बाहर निकलते देख वहां आसपास मौजूद भीख मांगने वाले बच्चे उनके पीछे पड़ गए। रश्मिका परेशान दिखीं और उनके स्टाफ तुरंत उन्हें वहां से निकालकर कार तक लेकर जाने लगे। इसके बाद कुछ और बच्चे उनकी कार के शीशे से जाकर चिपक गए। कुछ बच्चियां उनकी फिल्म की तारीफ भी करती दिख रही हैं।

एक बच्ची ने कहा- अरे दीदी, आपका पिक्चर है न पुष्पा? इसके बाद एक बच्ची कहती है- कुछ देकर जाओ दीदी, खाना खाने का। हालांकि, इसके बाद रश्मिका की गाड़ी निकल जाती है आगे और यही देखकर अब फैन्स नाराज हो रहे हैं।

एक यूज़र ने लिखा- मूड ऑफ हो गया ये देखकर। एक ने कहा- पैसों से अमीर और दिल से गरीब हैं ये लोग। एक ने कहा- बुरा लग रहा इन बच्चों को देखकर, 100 रुपये तो दे ही सकती थीं क्या फायदा इतना कमाकर।

आदिवी शेष-स्टारर मेजर कोविड के कारण स्थगित

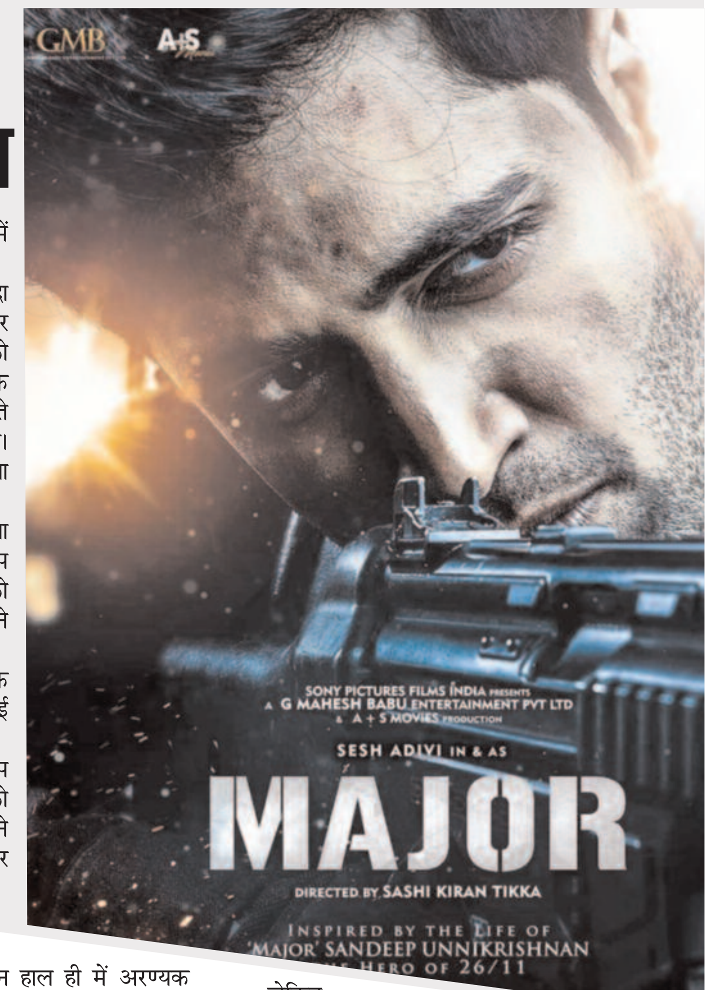

आदिवी शेष अभिनीत मेजर के निर्माताओं ने कर्फ्यू और प्रतिबंधों के बारे में नए नियमों की घोषणा के बाद अपनी फिल्म को स्थगित करने की घोषणा की है।

एक आधिकारिक बयान में, निर्माताओं ने कहा, महामारी के आसपास की मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हमने सभी के सर्वोत्तम हितों को देखते हुए अपनी फिल्म मेजर की रिलीज को स्थगित करने का फैसला किया है। हमारी फिल्म एक ऐसे व्यक्ति को भावभीनी श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र के लिए बलिदान दिया। उनके जीवन की भावना का सम्मान करते हुए और राष्ट्र की सुरक्षा और हित को पहले रखते हुए, हमने सुरक्षित और अधिक अनुकूल समय पर रिलीज करने का फैसला किया है।

निर्माताओं ने रिलीज को स्थगित करने की घोषणा करते हुए एक पोस्ट साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

यह फिल्म संदीप उन्नीकृष्णन के समर्पण, साहस, बलिदान और जीवन की भावना के बारे में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जो आश्चर्यजनक दृश्यों और भावनात्मक रूप से मनोरंजक कहानी के साथ मिलकर बनाई गई है। बड़े पर्दे के लिए एक अनुभव को क्यूरेट करने के बाद, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज को तब तक के लिए टालने का फैसला किया है, जब तक कि महामारी की स्थिति में और आसानी न हो जाए।

हाल ही में, निर्माताओं ने तेलुगु और मलयालम में हृदयामा और पोन मलारे शीर्षक से फिल्म के पहले गीत का लिरिकल वर्जन किया, जिसमें आदिवासी शेष और सई मांजरेकर के बीच ताजा केमिस्ट्री पेश की गई।

फिल्म की एक झलक पेश करते हुए, निर्माताओं ने बचपन से ही संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन के विभिन्न चरणों, किशोर रोमांस, सेना में गौरवशाली वर्षों को छूने वाले टीजर को रिलीज किया, जिसमें 26/11 मुंबई हमले की त्रासदी में अपने जीवन की आहुति देने तक उनकी वीरता को पर्दे पर उतारा।

रवीना टंडन ने राजनीति में एंट्री लेने पर कही बड़ी बात, बोलीं- कल को सही लगा तो 'हां' कह दूंगी

बॉलीवुड ऐक्ट्रेस रवीना टंडन हाल ही में अरण्यक वेब सीरीज में नजर आई थीं। पुलिस अफसर के रोल में लोगों ने उन्हें खूब पसंद किया था। अब वह केजीएफ चैप्टर 2 में प्रधानमंत्री के रोल निभाती दिखाई देंगी। फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई है। उम्मीद है कि सब ठीक रहा तो अप्रैल, 2022 में दर्शकों के सामने आ जाएगी। खैर, ऐक्ट्रेस ने भले ही फिल्म में राजनेता का किरदार निभाया है लेकिन वह असल जिंदगी में कभी भी राजनीति का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। हां अगर वह इसके लिए तैयार रहीं, तो जरूर हां बोल देंगी। उनका कहना है कि उन्हें पहले कई ऑफस् आए लेकिन उन्होंने सब ठुकरा दिए।

हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में रवीना से जब पूछा गया कि क्या वह राजनीति में एंट्री की तैयारी कर रही हैं? तो इस पर वह कहती हैं, %कभी नहीं तो नहीं कहूंगी। एक समय ऐसा जरूर आया था जब मैं इसके बारे में विचार कर रही थी। मुझे पश्चिम बंगाल, पंजाब, मुंबई की सीट ऑफर भी हुई थीं। लेकिन मैंने उस समय मना कर दिया था। क्योंकि मैं इन सब के लिए तैयार नहीं थी। वैसी भी मैं अभी तक किसी भी पॉलिटिकल पार्टी और उनकी विचारधारा से प्रभावित नहीं हुई हूं। जिस पर मैं आंख बंद करके भरोसा कर सकूं। मैं कई बातों पर असहमत हूं। और कई बार इन्हीं असहमतियों से मुझे डर भी लगता है। और अगर कल तो मुझे इसका एहसास हुआ कि मैं कर लूंगी या फिर मैं ये सब झेलने के लिए तैयार हूं तो मैं हां कह दूंगी। अभी मैं ना नहीं कहूंगी कि मैं इसमें नहीं आउंगी।

बता दें कि ऐक्ट्रेस ने तीन-चार पहले राजनीति में एंट्री करने के सवाल पर कहा था, %रवीना ने कहा, राजनीति में जाने को लेकर मेरे मन में बड़ी दुविधा है। पॉलिटिक्स शायद मेरे जैसे स्पष्टवादी लोगों के लिए नहीं है। राजनीति एक बहुत ही गंदा खेल है और मैं बहुत स्पष्टवादी हूं,सब कुछ साफ-साफ कहने की आदत है मुझे। इसलिए मेरा राजनीति में आना और वहां टिकना मुश्किल होगा। लेकिन अब वह अपना प्लान बदलते हुए दिखाई दे रही हैं।

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'गहराइयां' का पहला गाना 'डूबे' रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की आने वाली फिल्म गहराइयां का पहला गाना 'डूबे' रिलीज हो गया है। निर्देशक शकुन बत्रा की फिल्म गहराइयां में दीपिका पादुकोण, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और धैर्य करवा की मुख्य भूमिका है। फिल्म गहराइयां का पहला गाना 'डूबे' रिलीज हो गया है। यह गाना दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी पर फिल्माया गया है। कौसर मुनीर द्वारा लिखित और लोथिका झा द्वारा गाया गया, डूबे का संगीत कबीर कथपालिया उर्फ ओएएफएफ और सावेरा द्वारा रचित और अंकुर तिवारी द्वारा डिजाइन किया गया है।

अंकुर तिवारी ने बताया, शुरू से ही मुझे पता था कि गहराइयां का संगीत कहानी के लिए सही होना चाहिए और दर्शकों को इन पात्रों की दुनिया में लीन होने देना चाहिए। कबीर, सीवेरा और हमारे गीतकार कौसर, सभी ने युवा सार को लाने के लिए एक अभूतपूर्व काम किया है, और लोथिका के स्वर गाने में ताजगी और तीव्रता की सही मात्रा जोड़ते हैं।÷ जौस्का फिल्म्स के सहयोग से वायकॉम18 स्टूडियोज और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई फिल्म गहराइयां का वर्ल्ड प्रीमियर 11 फरवरी, 2022 को होगा।

जैस्मिन भसीन पर चढ़ा 'पुष्पा' का फीवर गिप्पी ग्रेवाल से बोलीं- लड़की नहीं, फायर हूं मैं

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज का फीवर अब ऐक्ट्रेस जैस्मिन भसीन पर भी चढ़ गया है। कुछ दिन पहले ही इस फिल्म का हिंदी वर्जन ओटीटी पर रिलीज हुआ, जिसके बाद से पुष्पा के डायलॉग से लेकर गाने तक लोगों की जुबां पर चढ़ गए हैं। फिल्म के गाने श्रीवल्ली पर तो अब तक 7 लाख से भी यादा इंस्टाग्राम रील्स बन चुके हैं।

अब जैस्मिन ने भी पंजाबी सिंगर और ऐक्टर गिप्पी ग्रेवाल के साथ अल्लू अर्जुन के अंदाज में मुंह पर हाथ फेरने वाला स्टेप करते हुए वीडियो शेयर किया है। वीडियो में गिप्पी ग्रेवाल, जैस्मिन को फ्लावर समझ बैठे और ऐक्ट्रेस उसी का जवाब दे रही हैं।

गिप्पी ग्रेवाल ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें गिप्पी कहते हैं, जैस्मिन नाम सुनके लगा कि फ्लावर होगा। ये तो लड़की निकली। तब जैस्मिन कहती हैं, लड़की नहीं, फायर है मैं, फायर। इसके बाद गिप्पी ग्रेवाल और जैस्मिन पुष्पा का सिग्नेचर स्टाइल करते हैं।

इस वीडियो को देख फैंस खूब रिऐक्ट कर रहे हैं और जैस्मिन के अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। कुछ ही घंटों में इस वीडियो को डेढ़ लाख से यादा व्यूज मिल चुके हैं। बता दें कि

जैस्मिन भसीन, गिप्पी ग्रेवाल के साथ पंजाबी फिल्म हनीमून की शूटिंग कर रही हैं। यह वीडियो ऐक्ट्रेस ने फिल्म के सेट पर ही बनाया।

'भूल भुलैया 2 ' की रिलीज डेट में नहीं होगा बदलाव, मेकर्स ने किया कनफर्म

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 काफी समय से चर्चा में है। यह फिल्म इसी साल 25 मार्च को रिलीज होने वाली है, लेकिन कुछ दिनों से इस फिल्म को लेकर यह खबर सामने आ रही थी कि कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से इस फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है। वहीं अब मेकर्स ने बयान जारी कर इस तरह की खबरों पर पूर्ण विराम लगा दिया है और कहा है कि फिल्म अपने निर्धारित समय पर ही रिलीज होगी। मेकर्स के इस बयान के बाद फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित फिल्म भूल भुलैया 2 में कार्तिक के साथ कियारा आडवाणी के अलावा तब्बू और राजपाल यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म को भूषण कुमार, मुराद खेतानी और कृष्ण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म पिछले साल जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन देश में फैली कोरोना महामारी की वजह से फिल्म की शूटिंग समय से पूरी नहीं हो पाई थी, जिसके कारण फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया गया। लेकिन अब यह फिल्म इसी साल 25 मार्च को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

फिल्म भूल भुलैया 2 वर्ष 2007 में रिलीज हुई भूल भुलैया का सीक्वल है, जिसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन मुख्य भूमिका में थे। अक्षय कुमार की फिल्म भूल भुलैया एक मलयालम फिल्म की रीमेक थी। भूल भुलैया को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया था। वहीं फिल्म भूल भुलैया 2 के निर्देशक अनीश बज्मी हैं।

वर्ल्ड एजुकेशन डे पर शिल्पा शेट्टी ने शेयर की थ्रोबैक तस्वीर, शिक्षा को लेकर कही ये बात

सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने सोमवार को वर्ल्ड एजुकेशन डे पर अपनी एक थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की है।

शिल्पा की यह तस्वीर उनके स्कूल के दिनों की है। इस तस्वीर में शिल्पा अपने स्कूल के दोस्तों के साथ स्कूल यूनिफ़ॉर्म में मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं।

तस्वीर को साझा करने के साथ ही शिल्पा शेट्टी ने कोरोना महामारी के चलते हुए बच्चों के नुकसान को लेकर चिंता जाहिर की है और बच्चों को सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। शिल्पा शेट्टी ने लिखा-मेरा दिल दुनिया भर के उन सभी बच्चों के लिए दुखी है जो महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। वे दोस्तों के साथ बातचीत नहीं कर सकते हैं, उनकी संपूर्ण शारीरिक शिक्षा नहीं हो सकती है। लेकिन यह समय की जरूरत है। जबकि हम उन्हें स्पष्ट रूप से वायरस के संपर्क में नहीं ला सकते हैं। हमें इसे पूरा करने के तरीके खोजने की जरूरत है। हमें बेबी स्टेप्स लेने की जरूरत है। आइए, इस वर्ल्ड एजुकेशन डे पर हमें एक साथ आगे आना होगा। ना सिर्फ अपने बच्चों के लिए बल्कि हर बच्चे के लिए, जिससे उन्हें शिक्षा का आधिकार मिले, वह भी सुरक्षा से समझौता किए बिना। आगे आने वाली मजबूत जेनरेशन के लिए सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें! विश्व शिक्षा दिवस की शुभकामनाएं! शिल्पा का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वर्कफ़्रंट की बात करें तो शिल्पा शेट्टी इन दिनों रियलिटी शो इंडियाज गॉट टैलेंट 9 में बतौर जज नजर आ रही है। इसके अलावा वह जल्द ही शब्बीर खान की फिल्म निकम्मा में भी अभिनय करती दिखाई देंगी।

राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर की फिल्म बधाई दो का ट्रेलर रिलीज

अभिनेता राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर जिस रहस्य को छुपाने की कोशिश कर रहे थे, वह आखिरकार लोगों के सामने आ गया है क्योंकि उनकी नई फिल्म बधाई दो के निर्माताओं ने मंगलवार सुबह ट्रेलर जारी कर दिया है।

ट्रेलर 3 मिनट और 6 सेकंड का है, जो राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर के बीच एक वैवाहिक सेटिंग के इर्द-गिर्द घूमता है, जहां इन दोनों के बीच कई राज खुलते हैं।

दोनों एक-दूसरे को रहस्य बताते हैं कि वे दोनों एलजीबीटीक्यू प्लस कम्युनिटी से हैं।

कॉन्विनियंस की शादी में शामिल होना और रूममेट्स के रूप में रहना, इस जोड़ी के बीच मजेदार परिस्थितियों को पैदा करता है और इसे एक परफेक्ट फैमिली एंटरटेनर बनाता है।

इसमें न केवल कॉमेडी और इमोशन्स की भरमार है बल्कि यह पारिवारिक नाटक सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय से भी संबंधित है, जिसकी झलक हमें ट्रेलर में देखने को मिली है।

ट्रेलर को कैप्शन के साथ पोस्ट किया गया कि प्यार के महीने में साल की अतरंगी शादी सतरंगी सेटिंग देखें! सभी के लिए जारी है बधाई दो का ट्रेलर। बधाई दो 11 फरवरी, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हर्षवर्धन कुलकर्णी के निर्देशन में बनी फिल्म, सिनेमाघरों में इस साल रिलीज होने वाली है, जिसमें पारिवारिक मनोरंजन की भरमार है। राजकुमार और भूमि के अलावा, पारिवारिक मनोरंजन में सीमा पाहवा, शीबा चड्ढा, चुम दरंग, लवलीन मिश्रा, नितीश पांडे और शशि भूषण जैसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं की कलाकारों की टुकड़ी भी शामिल है, जिन्होंने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं और कहानी को मजेदार ढंग से आगे बढ़ाया है।

जंगली पिक्च़र्स की बधाई दो 1 फरवरी को रिलीज होने वाली है।

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटे हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

- कैनवास
- कांच के टूटे हुए टुकड़ें
- फैब्रिक पेंट
- ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

- कांच के टुकड़े
- ग्लू
- टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की मदद से कांच के टुकड़ों को चिपका लें।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से मंहगे और सजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

- गमला
- कांच के टुकड़े
- फ्रैबिक कलर्स
- ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रकिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलव्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते हैं। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया हैं। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है।

इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अव्वल आने की इस होड़ में पेरेंट्स द्वारा बनाया गया दवाब उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चो को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंटस बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोविज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एंग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह सब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डांट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलगा नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दहीं, सूप, सलाद आदि बैस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दवाब न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हंसी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय सीमित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जबाव देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जबाव नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती हैं यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी से मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक सटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप प्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

शेफाली वर्मा ने फिर छीना ताज

बनीं महिला क्रिकेट की सरताज, दुनिया की नंबर एक T20I बैटर

भारत की युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा अपने आक्रामक खेल से एकबार फिर दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज बन गई हैं।

दुबई। भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को आईसीसी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से दोबारा शीर्ष पर पहुंच गई जबकि उनकी साथी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना एक स्थान के नुकसान से चौथे स्थान पर खिसक गई।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बेथ मूनी और मेग लेनिंग की रैंकिंग में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की ही एलिसा हीली छठे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की दो खिलाड़ी शीर्ष 10 में शामिल हैं। सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स क्रमशः पांचवें और सातवें पायदान पर हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों के क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 55.25 की औसत और 185.71 के स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाने के बाद श्रीलंका की चामरी अटापट्टू छह स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

इंग्लैंड की डेनी वाट तीन पायदान आगे बढ़कर 13वें स्थान पर हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 70 रन की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलिया की ताहिला मैकग्रा 29 स्थान की लंबी छलांग के साथ 28वें पायदान पर पहुंच गई हैं, उन्होंने एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ 49 गेंद में नाबाद 91 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 170 रन के लक्ष्य को हासिल करते हुए जीत दर्ज की।

गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष तीन खिलाड़ियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं जबकि उनके बाद सारा ग्लेन का नंबर आता है। दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्माइल तीसरे स्थान पर हैं। भारत की दीप्ति शर्मा एक स्थान के फायदे से आस्ट्रेलिया की मेगान शुट को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं।

ऑलराउंडर की सूची में भी अधिक बदलाव नहीं हुआ है। सोफी डिवाइन और नताली स्किवर पहले दो स्थान पर बरकरार हैं। दीप्ति शर्मा एक स्थान आगे बढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तान की निदा डार और थाईलैंड की नताया बूचेथाम भी दो-दो स्थान के फायदे से क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर हैं।

नये टीकाकरण नियमों से फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं जोकोविच

फ्रांस के खेलमंत्री रोक्साना एम ने कहा है कि जैसे ही कानून पास हो जायेगा, टीकाकरण पास हर सार्वजनिक स्थान पर प्रवेश के लिये अनिवार्य होगा। यह दर्शकों, फ्रेंच या विदेशी पेशेवरों पर भी लागू होगा।

पेरिस। फ्रांस सरकार के कोरोना टीकाकरण के नये नियमों के चलते दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच टीका नहीं लगवाने के बावजूद मई में फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं।

जोकोविच को आस्ट्रेलिया के कड़े कोरोना टीकाकरण नियमों का पालन नहीं करने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन खेलने की अनुमति नहीं मिली और उन्हें देश से निर्वासित भी कर दिया गया था।

शुरू में ऐसा लग रहा था कि वह फ्रेंच ओपन भी नहीं खेल सकेंगे चूंकि फ्रांस में एक नये कानून में भी ऐसे लोगों को स्टेडियम, रेस्त्रां, बार या अन्य सार्वजनिक जगहों पर प्रवेश की अनुमति नहीं है जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है।

फ्रांस के खेलमंत्री रोक्साना एम ने कहा है कि जैसे ही कानून पास हो जायेगा, टीकाकरण पास हर सार्वजनिक स्थान पर प्रवेश के लिये अनिवार्य होगा। यह दर्शकों, फ्रेंच या विदेशी पेशेवरों पर भी लागू होगा।

सोमवार से लागू हुए इस कानून के तहत पिछले छह महीने में कोरोना संक्रमित होने का सबूत देने वाले व्यक्ति को इस पास को दिखाने की जरूरत नहीं रहेगी। इसके मायने हैं कि जोकोविच मई जून में फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं क्योंकि वह दिसंबर के मध्य में संक्रमित हुए थे।

फ्रांस के खेल मंत्रालय से जोकोविच के मामले में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं मिल सका है।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये वॉर्नर, मार्श आस्ट्रेलियाई टीम में नहीं

सिडनी। श्रीलंका के खिलाफ फरवरी में होने वाली टी20 श्रृंखला के लिये डेविड वॉर्नर और मिशेल मार्श को आस्ट्रेलिया की 16 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है जबकि कोच जस्टिन लैंगर भी उपलब्ध नहीं होंगे।

आस्ट्रेलिया पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये श्रीलंका की मेजबानी कर रहा है। ये मैच 11 से 20 फरवरी के बीच सिडनी, कैनबरा और मेलबर्न में खेले जायेंगे।

लैंगर समेत सहयोगी स्टाफ के सदस्य इस दौरान छुट्टियों पर हैं। उनकी गैर मौजूदगी में एंड्र्यू मैकडोनाल्ड टीम के मुख्य कोच होंगे।

श्रीलंका के खिलाफ आस्ट्रेलिया की टी20 टीम

आरोन फिंच (कप्तान), एश्टोन एगर, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मोइजेस हेनरिक्स, जोश इंगलिस, बेन मैकडरमोट, ग्लेन मैक्सवेल, झाय रिचर्डसन, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, एडम जाम्पा।

अफ्रीकी कप फुटबॉल मैच में भगदड़ में कम से कम छह की मौत

याओंडे (कैमरून)। अफ्रीका के शीर्ष फुटबॉल टूर्नामेंट के एक मैच के दौरान स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है जिससे उपमहाद्वीप के सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी की कैमरून की क्षमता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है।

कैमरून के केंद्रीय क्षेत्र के गवर्नर नासेरी पॉल बिया ने कहा कि मरने वालों की संख्या अधिक भी हो सकती है।

उन्होंने सोमवार को कहा ,'' हम अभी मरने वालों की कुल संख्या बताने की स्थिति में नहीं हैं।''

यह भगदड़ उस समय मची जब अफ्रीकी कप आफ नेशंस में अंतिम 16 के मैच में मेजबान कैमरून और कोमोरोस के बीच मैच देखने के लिये दर्शकों ने ओलम्बे स्टेडियम में घुसने की कोशिश की।

मेस्सास्सी अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 40 लोग चोटिल होकर अस्पताल लाये गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि अस्पताल सभी का इलाज कर पाने में सक्षम नहीं है।

एक नर्स ने कहा ,'' कुछ की हालत को बहुत नाजुक है।हम उन्हें दूसरे अस्पताल में भेजेंगे।''

भगदड़ के बाद लोग स्टेडियम के प्रवेश द्वार के बाहर पीठ के बल अचेत पड़े थे। उनके जूते, टोपियां और रंग बिरंगी विग यत्र तत्र बिखरी पड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बच्चे भी भगदड़ की चपेट में आ गए हैं।

उनका कहना है कि स्टेडियम के कर्मचारियों ने दरवाजा बंद करके लोगों को भीतर प्रवेश नहीं करने दिया जिसके बाद भगदड़ मच गई।

स्टेडियम की क्षमता 60000 दर्शकों की है लेकिन कोरोना महामारी के कारण 80 प्रतिशत को ही प्रवेश दिया जा रहा है जबकि फुटबॉल अधिकारियों के अनुसार करीब 50000 लोगों ने प्रवेश की कोशिश की।

अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने कहा ,'' हम हालात की जांच कर रहे हैं। विस्तार से जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। हम कैमरून सरकार और स्थानीय आयोजन समिति के संपर्क में हैं।''

कैमरून पिछले 50 साल में पहली बार अफ्रीकी कप की मेजबानी कर रहा है। उसे 2019 में ही इसकी मेजबानी करनी थी लेकिन उसकी तैयारियों को लेकर आशंकाओं के चलते मिस्र को मेजबानी सौंपी गई थी।

इससे पहले रविवार को याओंडे के एक नाइटक्लब में सिलसिलेवार विस्फोट के बाद आग लगने से कम से कम 17 लोग मारे गए थे। इसके बाद कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया ने लोगों को सतर्क रहने के लिये कहा था चूंकि देश सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है।कैमरून सोमवार का मैच 2 . 1 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है।

मेडिसन कीस आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल में

मेलबर्न। मेडिसन कीस ने 2022 में अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया ।

उन्होंने क्वार्टर फाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6 . 3, 6 . 2 से हराकर लगातार दसवीं जीत दर्ज की । इस साल वह एडीलेड इंटरनेशनल में पांच जीत दर्ज कर चुकी है जिसमें खिताबी जीत शामिल है । उसके बाद यहां मेलबर्न पार्क में पांच मैच जीत चुकी हैं। पिछले पूरे साल में उन्होंने कुल 11 मैच जीते थे। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी या जेसिका पेगुला से होगा । वहीं पुरूष वर्ग में रफेल नडाल का सामना डेनिस शापोवालोव से होगा । दूसरे क्वार्टर फाइनल में गाएल मोंफिल्स और मात्तेओ बेरेत्तिनी आमने सामने होंगे ।

मेडिसन कीस आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल में

मेलबर्न। मेडिसन कीस ने 2022 में अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया ।

उन्होंने क्वार्टर फाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6 . 3, 6 . 2 से हराकर लगातार दसवीं जीत दर्ज की । इस साल वह एडीलेड इंटरनेशनल में पांच जीत दर्ज कर चुकी है जिसमें खिताबी जीत शामिल है । उसके बाद यहां मेलबर्न पार्क में पांच मैच जीत चुकी हैं ।

पिछले पूरे साल में उन्होंने कुल 11 मैच जीते थे ।

अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी या जेसिका पेगुला से होगा । वहीं पुरूष वर्ग में रफेल नडाल का सामना डेनिस शापोवालोव से होगा । दूसरे क्वार्टर फाइनल में गाएल मोंफिल्स और मात्तेओ बेरेत्तिनी आमने सामने होंगे ।

इंटर मिलान के मुख्य कोच सिमोन इंजागी कोरोना संक्रमित

मिलान। इतालवी क्लब इंटर मिलान के मुख्य कोच सिमोन इंजागी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। क्लब ने उक्त जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान में क्लब ने कहा, ÷एफसी इंटरनैजियोनेल मिलानो इस बात की पुष्टि करता है कि सिमोन इंजागी आज कोरोना संक्रमित हो गए हैं। कोच अब स्वास्थ्य संबंधी दिशानिर्देशों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करेंगे।

इंटर मिलान वर्तमान में 22 मैचों में 53 अंकों के साथ सीरी ए अंकतालिका में शीर्ष पर है।

टीम इस सीजन में अब तक 16 मैच जीतने में सफल रही है। इंटर मिलान को सीरी ए प्रतियोगिता में सिर्फ एक हार का सामना करना पड़ा है। सीरी ए लीग में इंटर मिलान का अगला मुकाबला एसी मिलान के खिलाफ शनिवार, 5 फरवरी को होगा।

सीनियर पुरुष हॉकी टीम के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को 33 खिलाड़ियों के सीनियर मेन कोर संभावित ग्रुप की घोषणा की, जो अगले महीने से शुरू होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग के साथ इस साल प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलेगी। इन 33 खिलाड़ियों को 60 खिलाड़ियों के एक समूह से तीन सप्ताह के शिविर के बाद चुना गया है, जिन्हें विभिन्न हॉकी इंडिया वार्षिक राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनके प्रदर्शन के आधार पर साई, बेंगलुरु में बुलाया गया था। 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में कप्तान मनप्रीत सिंह, पीआर श्रीजेश, हरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय जैसे अनुभवी सितारे शामिल हैं, जिन्हें वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर 2021 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था।

गोलकीपर- कृष्ण बहादुर पाठक, श्रीजेश परत्तु रवींद्रन, सूरज करकेरा।

डिफेंडर- जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, नीलम संजीव ज़ेस, दीपसन टिर्की, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, मंदीप मोर, संजय, जुगराज सिंह।

मिडफील्डर- मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, सुमित, नीलकांत शर्मा, शमशेर सिंह, राजकुमार पाल, जसकरण सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, आशीष कुमार टोपनो।

फारवर्ड- दिलप्रीत सिंह, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, गुरसाहिबजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, मो. राहील मौसिन।

पुनर्वास में:-सिमरनजीत सिंह, गुरिंदर सिंह।

ओग्बेचे की हैट्रिक से हैदराबाद ने ईस्ट बंगाल को 4-0 से हराया

गोवा। नाईजीरियाई स्टार स्ट्राइकर बार्थोलोमेव ओग्बेचे की हैट्रिक के दमपर हैदराबाद एफसी हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 की अंक तालिका के शीर्ष पर फिर से पहुंच गई है। निजाम्स ने सोमवार रात वास्को डे गामा स्थित तिलक मैदान स्टेडियम में खेले गए लीग मुकाबले में एससी ईस्ट बंगाल को 4-0 से रौंद डाला। मैच में तीन गोल दागने के लिए ओग्बेचे को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया।

कोच मैनुएल मैनोलो मार्क्यूएज की टीम गोल औसत के आधार पर तालिका के शीर्ष पर आ गई है। केरला ब्लास्टर्स एफसी (11 मैच) के भी निजाम्स के बराबर 20 अंक हैं। हैदराबाद 12 मैचों में पांचवीं जीत और पांच ड्रा से 20 अंक जुटा चुकी है। वहीं, ईस्ट बंगाल अपनी छठी हार से फिर से तालिका के सबसे निचले स्थान पर पहुंच गई है। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड के 13 मैचों में एक जीत व छह ड्रा से नौ अंक हैं।

मैच का पहला गोल 21वें मिनट में आया, जब गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे चल रहे बार्थोलोमेव ओग्बेचे के हैडर से हैदराबाद एफसी 1-0 से आगे हो गई। दाहिने फ्लैंक से कॉर्नर किक पर सौविक चक्रवर्ती की सटीक किक पर गेंद ओग्बेचे के पास पहुंची। नाईजीरियाई स्टार स्ट्राइकर ने हैडर से गेंद को गोलपोस्ट की दिशा दिखाई और ईस्ट बंगाल के गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य की छाती से लगकर गेंद गोलजाल में जा उलझी। इस तरह अरिंदम की गलती इस गोल के रूप में सामने आई। 2002 फीफा वर्ल्ड कप में नाईजीरियाई का प्रतिनिधित्व कर चुके ओग्बेचे का यह इस सीजन में दसवां गोल है। 44वें मिनट में ओग्बेचे ने मैच का अपना दूसरा और सीजन का 11वां गोल करके हैदराबाद की बढ़त को 2-0 कर दिया। तीन मिनट के स्टोपेज टाइम में 47वें मिनट में अनिकेत जाधव ने गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया।

74वें मिनट में ओग्बेचे ने मैच में अपनी हैट्रिक पूरी करके हैदराबाद को 4-0 से आगे कर दिया। यह उनका सीजन में 12वां गोल था। ओग्बेचे ने बॉक्स के अंदर सिवेरिओ को पास दिया, जिस पर युवा स्ट्राइकर का शॉट ईस्ट बंगाल के डिफेंडरों ने ब्लॉक कर दिया। इस रिबाउंड पर गेंद ओग्बेचे की तरफ गई और उन्होंने आगे बढ़कर ताकतवर राइट फुटर शॉट लगाकर गोलकर दिया और गोलकीपर अरिंदम के पास गेंद को देखते रहने के अलावा कोई अवसर नहीं था।

इस सीजन में यह हैदराबाद की ईस्ट बंगाल पर पहली जीत है। क्योंकि पिछली बार जब ये दोनों टीमें लीग के पहले चरण में एक-दूसरे से भिड़ी थीं, तो मैच 1-1 से ड्रा रहा था।

सिंगापुर को 9–1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

मस्कट (ओमान) ।भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को सोमवार को 9-1 से रौंदकर एशिया कप के सेमीफाइनल में प्रवेश करने के साथ ही स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले 2022 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में भी अपना स्थान पक्का कर लिया है। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला 26 जनवरी को कोरिया से होगा।

भारत ने सोमवार को मस्कट में पूल ए के अपने आखिरी मैच में सिंगापुर के खिलाफ 9-1 से जीत हासिल की।भारत को इससे पहले जापान के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने अपने पहले मैच में मलेशिया को 9-0 से पीटा था।

गुरजीत कौर ने 8, 37, 48वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनायी जबकि मोनिका ने 6 और 17वें मिंनट में गोल करते भारत की स्थिति मजबूत कर दी । इसके अलावा ज्योति ने 43 और 58वें मिनट में गोल दागे। वंदना कटारिया और मारियाना कुजुर ने भारत के लिए एक-एक गोल किया। सिंगापुर के लिए एकमात्र गोल ली मिन तोह (43) ने किया।

ढ्भारत ने पहले क्वार्टर में सिंगापुर के सर्कल में अटैक किया और पहले 15 मिनट में हावी रहा।मोनिका ने मैच के छठे मिनट में क्लियर-कट रिवर्स फ्लिक करके पहला गोल किया। इसके कुछ ही समय बाद भारत ने वंदना और गुरजीत के गोलों की बदौलत 3-0 की बढ़त बना ली, जिन्होंने 8वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील किया।

अगले मिनट में,भारतीय टीम ने मैच का अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। हालांकि सिंगापुर के गोलकीपर यू टोंग लियू ने इसे बचा लिया। चौथा गोल युवा फारवर्ड मारियाना ने 10वें मिनट में किया।

दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी इसी तरह से हुई। भारत ने सिंगापुर के हाफ में घुसकर, दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। मैच की लय सेट करने वाली अनुभवी मोनिका ने भारत का पांचवां और मैच में अपना दूसरा गोल हासिल करने में कोई गलती नहीं की।

सविता की अगुवाई वाली भारत ने दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में दो पेनल्टी कार्नर जीते, लेकिन अपनी बढ़त बढ़ाने के मौके को भुना नहीं सका। इसके बाद भारत ने एक और पेनल्टी कार्नर अर्जित किया, जिसे ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ गुरजीत ने मैच के 37वें मिनट में गोल में बदल दिया।

सिंगापुर ने तीसरे क्वार्टर के 43वें मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल किया और ली मिन तोह के प्रयास से पहला गोल करने में सफल रहा। इसके बाद भारत की ज्योति ने भी गोल दागा। उन्होंने तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोरलाइन को 7-1 पहुंचा दिया। भारत ने 48 वें मिनट में गुरजीत के पेनल्टी कार्नर की मददसे आठवें गोल को अपनी तालिका में जोड़ा। इसके बाद 58वें मिनट में ज्योति ने अपना दूसरा गोल किया। इस प्रकार मैच 9-1 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ।